E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 63 | प्रयागराज, गुरूवार 14 मई, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान के खिलाफ हर हाल में जंग जीतेंगे,वे समझौता करेंगे या तबाह हो जाएंगे-ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के खिलाफ जारी संघर्ष में अमेरिका हर हाल में जीतेगा। चीन रवाना होने से पहले ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि ईरान या तो समझौता करेगा या फिर तबाह हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास हालात संभालने के लिए हर विकल्प मौजूद है। ट्रम्प ने कहा कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी बातचीत में ईरान युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट पर भी चर्चा होगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यापार दोनों नेताओं की बैठक का मुख्य मुद्दा रहेगा। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने 74 दिनों की जंग में अब तक कम से कम 29 अरब डॉलर खर्च किए हैं। यह खर्च सिर्फ हथियारों और सैन्य उपकरणों पर हुआ है। इसमें सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का खर्च शामिल नहीं है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ कांग्रेस पहुंचे और अतिरिक्त रक्षा बजट की मांग की। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे प्रभावी सैन्य ताकत बने रहने के लिए अमेरिका को 1.5 लाख करोड़ डॉलर की जरूरत है। हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका के पास अभी भी कई सैन्य विकल्प मौजूद हैं, जिनमें संघर्ष

बढ़ाना भी शामिल है। इससे पहले ट्रम्प कह चुके हैं कि ईरान के साथ मौजूदा युद्धविराम वेंटिलेटर पर है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. अमेरिका-ईरान तनाव से तेल की कीमतों में बड़ा उछालः शांति वार्ता अटकने के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 3फीसदी से ज्यादा तेजी आई। ब्रेंट क्रूड 107.68 डॉलर प्रति बैरल और डब्लूटीआई 101.61 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। 2. ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को 500किमी का 'ऑपरेशन जोन' बतायाः ईरान की रेवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने कहा कि अब होर्मुज स्ट्रेट सिर्फ समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि 500 किलोमीटर तक फैला ऑपरेशन एरिया माना जाएगा। 3. रिपोर्ट- पाकिस्तान ने ईरानी विमानों को अपने एयरबेस पर जगह दीः सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट में दावा किया गया कि पाकिस्तान ने अमेरिकी हमलों से बचाने के लिए ईरानी सैन्य विमानों को नूर खान एयरबेस पर पार्किंग की अनुमति दी। 4. इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में 4 हवाई हमले किएः इजराइल ने लेबनान के नबातियेह क्षेत्र के जेबचीत कस्बे पर लगातार 4 एयरस्ट्राइक कीं। मस्जिद के आसपास भी हमला हुआ और बाद में तोपों से गोलाबारी की गई। 5. अमेरिका ऑयल रिजर्व से 5.33 करोड़ बैरल तेल रिलीज करेगाः ट्रम्प प्रशासन ने बढ़ती तेल कीमतों और सप्लाई संकट के बीच अमेरिकी स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व से 5.33 करोड़ बैरल कच्चा तेल जारी करने का फैसला किया। यह तेल ऊर्जा कंपनियों को लोन के रूप में दिया जाएगा।

ईरान से जंग के बीच 8 साल बाद बीजिंग दौरा-चीन पहुंचे ट्रम्प,राष्ट्रपति जिनपिंग से 2 दिन में 2 बार मिलेंग

वॉशिंगटन डीसी/बीजिंग। ईरान जंग और बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प मंगलवार को चीन दौरे पर रवाना हो गए। ट्रम्प 13 से 15 मई तक चीन में रहेंगे। यह 2017 के बाद उनका पहला चीन दौरा होगा। ट्रम्प 8 साल बाद बीजिंग पहुंचेंगे। वे यहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से दो दिन में दो बार मुलाकात करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प और शी जिनपिंग के बीच गुरुवार और शुक्रवार को अलग-अलग दौर की बातचीत होगी। दोनों नेताओं के बीच व्यापार, ताइवान, रेयर अर्थ मिनरल्स, एआई और ईरान युद्ध जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। चीन रवाना होने से पहले ट्रम्प ने कहा, 'हम दो सुपरपावर हैं। सैन्य ताकत के मामले में अमेरिका सबसे मजबूत देश है और चीन दूसरे नंबर पर है।' ट्रम्प ने कहा कि वह जिनपिंग के साथ ईरान युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट पर भी लंबी बातचीत करेंगे। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ट्रम्प को स्टेट डिनर देंगे- व्हाइट हाउस के मुताबिक चीन दौरे के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग, डोनाल्ड ट्रम्प के सम्मान में भव्य स्टेट डिनर आयोजित करेंगे। चीन में इस तरह के स्टेट डिनर को बड़े कूटनीतिक सम्मान के तौर पर देखा जाता है।

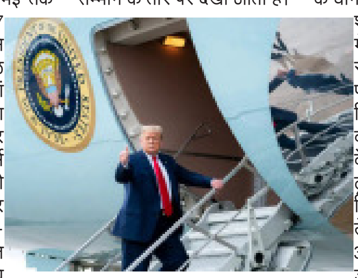

ऐसे कार्यक्रम आमतौर पर बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में आयोजित किए जाते हैं, जहां चीन का शीर्ष नेतृत्व विदेशी मेहमानों का स्वागत करता है। इसमें दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारी, कारोबारी प्रतिनिधि और खास मेहमान शामिल होते हैं। डिप्लोमैटिक एक्सपर्ट्स के मुताबिक, चीन किसी विदेशी नेता को जितना बड़ा औपचारिक स्वागत देता है, उसे रिश्तों की अहमियत का संकेत माना जाता है। स्टेट डिनर के जरिए चीन यह संदेश देने की कोशिश करता है कि वह अमेरिका के साथ रिश्तों को रणनीतिक स्तर पर महत्व दे रहा है। ट्रम्प के पहले कार्यकाल में 2017 के चीन दौरे के दौरान भी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने उनके सम्मान में विशेष स्वागत कार्यक्रम रखा था। ईरानी तेल खरीदने पर चीन का अमेरिका से विवाद-ईरान से तेल खरीद को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव बना हुआ है। ट्रम्प प्रशासन का आरोप है कि चीन बड़े पैमाने पर ईरानी तेल खरीदकर तेहरान को आर्थिक सहारा दे रहा है, जबकि चीन इसे अपनी ऊर्जा जरूरतों से जुड़ा मामला बता रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के बावजूद चीन लंबे समय से ईरान से बड़े पैमाने पर तेल खरीदता रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक चीन अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए सस्ता तेल खरीदने की रणनीति अपनाता है। ईरान पर प्रतिबंध लगने के बाद उसे अपना तेल डिस्काउंट पर बेचना पड़ता है। चीन की कई निजी रिफाइनरियां इसी रियायती तेल को खरीदती हैं।

पीएम के रूट पर विस्फोटक के बाद अब टाइमर मिला,दावा- आरोपी जोड़ नहीं पाए-10 मई को मोदी बेंगलुरु गए थे

बेंगलुरु। पीएम मोदी के 10 मई को बेंगलुरु दौरे के दौरान मिलीं सामग्री कार्यक्रम स्थल के पास कागलीपुरा इलाके के पास से

जिलेटिन की छड़ों के बाद अब ऐसे अतिरिक्त सामान भी बरामद हुए हैं, जिनसे धमाका ट्रिगर किया जा सकता है। पुलिस को तीन दिन बाद वहीं से एक इलेक्ट्रॉनिक सर्किट और टाइमर मिला है। ये सामग्री एक गत्ते के डब्बे में थीं। पुलिस ने आशंका जताई कि जिन लोगों ने इसे वहां रखने की कोशिश की, वे इसे असेंबल (जोड़) नहीं पाए। प्रधानमंत्री 10 मई को बेंगलुरु में आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के 45वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने पहुंचे थे। विस्फोटक बरामद की गई थी। 10 मई को जब पीएम मोदी को बेंगलुरु में कार्यक्रम में जाना था। उसी दिन सुबह 7 बजे के करीब पुलिस को एक फोन कॉल आया। जिसमें कॉलर ने कहा कि उसने बम लगाया है। इस कॉल के आधार पर पुलिस हरकत में आई और शहर के कोरमंगला इलाके से एक व्यक्ति को अरेस्ट कर लिया। कुछ घंटों बाद, पुलिस टीम को हाईवे से कुछ मीटर की दूरी पर जिलेटिन का डिब्बा मिला। इसी रास्ते से PM मोदी की कार गुजरने वाली थी।

पाकिस्तान ने ईरान के एयरक्राफ्ट छिपाने में मदद की,पाक बोला- बातचीत के लिए आए थे

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर जगह दी। यह दावा सीबीएस न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि अप्रैल में सीजफायर के ऐलान के कुछ दिन बाद ईरान ने कई विमान पाकिस्तान एयरफोर्स के नूर खान एयरबेस भेजे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भेजे गए विमानों में ईरानी एयरफोर्स का आरसी-130 विमान भी शामिल

था। यह लॉकहीड सी-130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का खुफिया और निगरानी मिशन वाला वर्जन माना जाता है। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी माना है कि ये विमान उसके एयरबेस पर पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, पाकिस्तान में मौजूद ईरानी विमान युद्धविराम के दौरान आए थे और उनका किसी सैन्य अभियान से कोई संबंध नहीं है। वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा, अगर यह रिपोर्ट सही है, तो ईरान, अमेरिका के बीच मध्यस्थ के तौर पर पाकिस्तान की भूमिका पर नए सिरे से विचार करना होगा। इजराइल को लेकर पाकिस्तानी रक्षा अधिकारियों के पहले दिए गए बयानों को देखते हुए मुझे इस खबर पर हैरानी नहीं होगी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने कुछ नागरिक विमान अफगानिस्तान भी भेजे। एक अफगान सिविल एविएशन अधिकारी ने दावा किया कि माहान एयर का एक विमान युद्ध शुरू होने से पहले काबुल पहुंचा था। ईरानी एयरस्पेस बंद होने के बाद वह विमान काबुल एयरपोर्ट पर ही रुका रहा। मार्च में पाकिस्तान और तालिबान सरकार के बीच तनाव बढ़ने पर काबुल एयरपोर्ट पर हमले की आशंका बनी। इसके बाद तालिबान के सिविल एविएशन अधिकारियों ने माहान एयर के विमान को सुरक्षा कारणों से ईरान सीमा के पास हेरात एयरपोर्ट भेज दिया। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने अफगानिस्तान में ईरानी विमानों की मौजूदगी से इनकार किया। पाकिस्तान एक तरफ खुद को अमेरिका के सामने मध्यस्थ और स्थिरता लाने वाले देश के रूप में पेश कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ वह ईरान और चीन को नाराज करने से बचने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले दशक में पाकिस्तान की चीन पर सैन्य निर्भरता काफी बढ़ी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक स्टडी के मुताबिक 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान के 80फीसदी बड़े हथियार चीन ने सप्लाई किए। पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच 11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। 21 घंटे तक यह वार्ता चलने के बावजूद नाकाम हो गई थी। दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल और न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। ईरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को एक प्रस्ताव सौंपा था, जिसे ट्रम्प ने पूरी तरह खारिज कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी।

भारत की तेल खरीद पर अमेरिकी दबाव को लेकर भड़के रूसी विदेश मंत्री, कहा- सभी देश घुटने पे नहीं आते

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने तेल खरीद और व्यापार को लेकर भारत पर दबाव

बनाने को लेकर अमेरिका और पश्चिमी देशों पर हमला बोला है। लावरोव ने पश्चिमी देशों के दबाव की तुलना नव-औपनिवेशिक तरीकों से की है। आरटी इंडिया को दिए एक इंटरव्यू में लावरोव ने कहा कि मध्य पूर्व में चल रहा संकट वैश्विक ऊर्जा प्रवाह को नियंत्रित करने की वॉशिंगटन की इच्छा को दिखाता है। लावरोव ने यह बात ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए अपनी नई दिल्ली की पहले से कही है। इंटरव्यू में पश्चिमी देशों पर हमला बोलते हुए लावरोव ने कहा, वे हर किसी पर दबाव डालते हैं। यह मांग करते हैं कि उन्हें रूसी तेल नहीं खरीदना चाहिए और यह एक अनुचित खेल है। ये औपनिवेशिक या नवऔपनिवेशिक तरीके हैं। रूसी विदेश मंत्री ने अमेरिका पर निशाना साधा और कहा कि वे कहते हैं कि आपको सस्ता रूसी तेल नहीं खरीदना चाहिए और अमेरिका से महंगी एलएनजी खरीदनी चाहिए। लावरोव ने इसे वैश्विक ऊर्जा को नियंत्रित करके दुनिया पर राज करने की कोशिश बताया और कहा कि सभी देश ऐसे दबाव के आगे घुटने नहीं टेकते। लावरोव ने नई दिल्ली के उस रुख की तारीफ की जिसमें भारत ने बार-बार कहा है कि उसका ऊर्जा आयात राष्ट्रीय हित और बाजार की शर्तों से तय होते हैं। भारतीय अधिकारियों ने कहा है कि ऊर्जा की खरीद किससे और किस कीमत पर करनी है, इसका फैसला नई दिल्ली ही करेगी। भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों का 85फीसदी से अधिक आयात करता है। साल 2022 से नई दिल्ली ने रूसी तेल के आयात में काफी वृद्धि की है। इसे लेकर अमेरिका और पश्चिम से भारी दबाव झेलना पड़ा, जिसमें बीते साल वॉशिंगटन ने नई दिल्ली पर 25फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। वॉशिंगटन ने अक्टूबर 2025 में रूसी कंपनी रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंध लगा दिए थे, जिससे भारत के तेल आयात में अस्थायी कमी आई थी। हालांकि, ईरान युद्ध के बाद होर्मुज की नाकेबंदी के बाद वैश्विक ऊर्जा बाजार में मचे हाहाकार के बाद ट्रंप प्रशासन ने प्रतिबंधों में छूट दी जो 16 मई तक बढ़ाई गई है।

ब्रिक्स में शामिल होने के लिए बेचैन पाकिस्तान, रूस के सामने गिड़गिड़ाया, भारत से बातचीत को भी तैयार

मॉस्को। पाकिस्तान ब्रिक्स का पूर्ण सदस्य बनना चाहता है। उसने

ब्रिक्स समूह के भीतर अपनी उम्मीदवारी के लिए व्यापक समर्थन की उम्मीद भी जताई है। यह बयान रूस में पाकिस्तानी राजदूत फैसल नियाज तिरमिजी ने दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान भारत के साथ बातचीत के लिए तैयार है और आशा करता है कि इससे आपसी समझ, संवाद और सहयोग बढ़ेगा। ब्रिक्स दुनिया की प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है, जिसमें पाकिस्तान शामिल नहीं है। पाकिस्तानी राजदूत ने क्या कहा-रूस की TASS को दिए इंटरव्यू में पाकिस्तानी राजदूत फैसल नियाज तिरमिजी ने कहा, 'पाकिस्तान ब्रिक्स के लिए एक स्वाभाविक साझेदार है। केवल एक देश ब्रिक्स में पाकिस्तान के शामिल होने का विरोध करता है। कोई अन्य देश ब्रिक्स में पाकिस्तान के शामिल होने पर आपत्ति नहीं करता है। पाकिस्तान एससीओ का सदस्य है। भारत भी है। इसलिए, पाकिस्तान ब्रिक्स का सदस्य बन सकता है और उसे बनना भी चाहिए। भारत को छोड़कर, बाकी सभी देशों ने पाकिस्तान को सदस्य के रूप में देखने की अपनी पक्की इच्छा जाहिर की है।' फैसल नियाज तिरमिजी, रूस में पाकिस्तान के राजदूत- 'पाकिस्तान ब्रिक्स के लिए एक स्वाभाविक साझेदार है। केवल एक देश ब्रिक्स में पाकिस्तान के शामिल होने का विरोध करता है।' उन्होंने विश्वास जताया कि ब्रिक्स में पाकिस्तान के शामिल होने से 'संगठन को बहुत फायदा होगा।' उन्होंने कहा, 'रूस ने हमेशा इसका समर्थन किया है। चीन इसका समर्थन करता है। दक्षिण अफ्रीका इसका समर्थन करता है। ब्राजील इसका समर्थन करता है।' इस दौरान उन्होंने कहा कि सिर्फ भारत ही पाकिस्तान की सदस्यता का समर्थन नहीं कर रहा है। पाकिस्तानी राजदूत ने कहा, 'पाकिस्तान हमेशा से भारत के साथ बातचीत के लिए खुला रहा है। मैंने अपने करियर के सात साल भारतीय नेतृत्व में बिताए हैं और भारत-पाकिस्तान के बीच संबंधों की इतनी दयनीय स्थिति मैंने पहले कभी नहीं देखी।' उन्होंने आगे कहा, भारत और पाकिस्तान एक-दूसरे को अनदेखा नहीं कर सकते। भारतीयों से बात करना मेरे लिए आसान है क्योंकि हम लगभग एक ही भाषा बोलते हैं। ऐतिहासिक रूप से, दोनों देशों के बीच नियमित संपर्क रहे हैं। इसलिए मुझे उम्मीद है कि भारतीय जनता और भारतीय सरकार पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों पर गंभीरता से पुनर्विचार करेंगे और दोनों देशों और दोनों जनता के बीच अधिक आपसी समझ, संवाद और सहयोग बढ़ेगा।

सोना रु10,000 और चांदी रु18,000 महंगी हुई:सरकार के इंपोर्ट ड्यूटी 6फीसदी से बढ़ाकर 15फीसदी करने का असर, पीएम ने कहा था सोना न खरीदें

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6फीसदी से बढ़ाकर 15फीसदी कर दी है। बुधवार को जारी इस आदेश के बाद आज यानी 13 मई को वायदा बाजार यानी एमसीएक्स पर सोना 10 हजार और चांदी 18 हजार रुपए महंगी हो गई है। 10 ग्राम सोने का भाव 1.63 लाख रुपए और 1 किलो चांदी का भाव 2.97 लाख रुपए पर पहुंच गया है। सरकार का मकसद विदेशी खरीद कम करना और देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ रहे दबाव को घटाना है। अमेरिकी-ईरान जंग के बीच सरकार ने ये फैसला लिया है। सरकार ने सोने पर 10फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी और 5फीसदी एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस (एआईडीसी) लगाया है। इस तरह कुल प्रभावी टैक्स 15फीसदी हो गया है। इससे पहले 2024 के बजट में वित्त मंत्री सीतारमण ने इंपोर्ट ड्यूटी 15फीसदी से घटाकर 6फीसदी की थी। तीन पॉइंट में इस फैसले को समझें-1. क्या बदलाव हुए? नया टैक्सः- बीते दिनों सोने-चांदी के आयात पर 3फीसदी आईजीएसटी

लगने के नियम बदले थे। इसके बाद आज सोना और चांदी के आयात पर लगने वाली ड्यूटी 6फीसदी से बढ़ाकर 15फीसदी कर दी। बैंकों स्थितिः आईजीएसटी लगने के बाद बैंक इस बात को लेकर उलझन में थे कि यह टैक्स कैसे भरना है, इसलिए उन्होंने करीब एक महीने तक सोना मंगाना ही बंद कर दिया। नतीजाः अप्रैल में होने वाला आयात मात्र 15 टन रहने का अनुमान है, जो कोविड काल को छोड़कर पिछले तीन दशकों में किसी भी महीने के लिए सबसे कम है। 1. सरकार ने ऐसा क्यों किया? भारत में लोग सोना बहुत खरीदते हैं। हमारा देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। सोने की मांग को पूरा करने करने के लिए हमे इसे विदेश से मंगाना पड़ता है। इसके लिए डॉलर खर्च होते हैं। जब देश से ज्यादा पैसा बाहर जाने लगता है, तो देश की अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ता है। इसी 'आयात' को कम करने के लिए सरकार ने टैक्स के नियम कड़े किए हैं। 2. आम आदमी पर इसका क्या असर होगा? कीमतों में बढ़ोतरीः जब सरकार टैक्स या ड्यूटी बढ़ाती है, तो सोने की 'लैंडिंग कॉस्ट' यानी भारत पहुंचने की कीमत बढ़ जाती है। यानी सोना पहले के मुकाबले महंगा मिलेगा। सप्लाई में कमीः टैक्स के झमेले और ऊंची कीमतों के कारण थोक व्यापारी कम सोना मंगाएंगे। बाजार में सोने की उपलब्धता कम होने से भी कीमतें बढ़ सकती हैं।

35000 किमी की रेंज,11 परमाणु वॉरहेड,रुसी सरमत मिसाइल का सफल परीक्षण, तैनाती का ऐलान

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को कहा कि रूस इस साल के अंत तक अपनी नई सरमत रणनीतिक परमाणु मिसाइल तैनात करेगा। उन्होंने इसे 'दुनिया की सबसे शक्तिशाली मिसाइल' बताया। उनका यह बयान सरमत मिसाइल के सफल परीक्षण के बाद आया है। सरमत मिसाइल की रेंज 35000 किमी तक बताई जाती है, जो अमेरिका और यूरोप के किसी भी देश पर हमला करने में सक्षम है। एक सरमत मिसाइल अपने साथ दर्जनों परमाणु वारहेड ले जा सकती है। रूसी समाचार एजेंसी ऊँएए ने कहा कि पुतिन ने घोषणा की कि सरमत हैवी इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल को इस साल के आखिर तक कॉम्बैट अलर्ट पर रखा जाएगा। सरमत के सफल लॉन्च पर रिपोर्ट सुनने के बाद उन्होंने कहा, 'सरमत को वाकई इस साल के आखिर तक कॉम्बैट अलर्ट पर रखा जाएगा।' पुतिन ने रक्षा मंत्रालय, सभी कर्मचारियों, शोधकर्ताओं, इंजीनियरों, रक्षा उद्योग उत्पादन आयोजकों, मुख्य ठेकेदारों और टीम वर्क में लगे हजारों श्रमिकों को 'इस बड़ी घटना और बिना शर्त सफलता' के लिए बधाई दी। देश के प्रमुख ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा, 'रूस की रक्षा क्षमता को मजबूत करने के लिए आपके काम के लिए धन्यवाद,' और विशेष रूप से रूसी रणनीतिक मिसाइल बलों के कमांडर सर्गेई काराकायेव को धन्यवाद दिया। सरमत मिसाइल के बारे में-सरमत मिसाइल का नाटो नाम 'सैटन 2' है। यह रूस की एक भारी, परमाणु-सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल है। यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली और सबसे लंबी दूरी की मौजूदा मिसाइलों में से एक है। इसकी अनुमानित रेंज लगभग 10,000 किलोमीटर से लेकर 18,000 किलोमीटर तक है। रूस का दावा है कि इसे 35,000 किलोमीटर तक की असाधारण रेंज के साथ भी अपग्रेड किया जा सकता है। सरमत मिसाइल लगभग 10 मीट्रिक टन तक का पेलोड ले जाने में सक्षम है। सरमत मिसाइल मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेबल री-एंट्री व्हीकल तकनीक से लैस है।

रिटेल महंगाई अप्रैल में बढ़कर 3.48फीसदी पर पहुंची, अमेरिका-ईरान जंग से महंगाई और बढ़ सकती है

नयी दिल्ली। अप्रैल की रिटेल महंगाई बढ़कर 3.48फीसदी पर पहुंच गई है। इससे पहले मार्च में यह 3.40फीसदी थी। आज 12 मई को ये आंकड़े जारी किए गए हैं। महंगाई में यह बढ़ोतरी ऐसे

समय में हुई है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ा हुआ है। यह तनाव लंबा चला तो महंगाई आगे और बढ़ सकती है। खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ी-महंगाई बढ़ने की सबसे बड़ी वजह खाने-पीने की चीजों के दामों का बढ़ना है। फूड इन्फ्लेशन अप्रैल में बढ़कर 4.20फीसदी पर पहुंच गई। मार्च में यह आंकड़ा 3.87फीसदी था। शहरी महंगाई दर 3.11फीसदी से बढ़कर 3.16फीसदी पहुंच गई है। ग्रामीण महंगाई दर 3.63फीसदी से बढ़कर 3.74फीसदी पहुंच गई है। नए तरीके से मापी जा रही महंगाई, ओटीटी शामिल-यह महंगाई के नए फॉर्मूले (2024 बेस ईयर) के तहत जारी तीसरा आंकड़ा है। सरकार ने महंगाई नापने के बास्केट में भी बदलाव किया है। खाने-पीने की चीजों का वजन (वेटेज) 45.9फीसदी से घटाकर 36.75फीसदी कर दिया गया है, जबकि हाउसिंग और बिजली-गैस का वेटेज बढ़ा दिया गया है। क्या हटाः वीसीआर और ऑडियो कैसेट जैसे पुराने सामान हटा दिए गए हैं। क्या जुड़ाः ओटीटी सब्सक्रिप्शन, डिजिटल स्टोरेज जैसे खर्चे शामिल किए हैं। महंगाई कैसे बढ़ती-घटती है? महंगाई का बढ़ना-घटना प्रोडक्ट की डिमांड-सप्लाई पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो वे ज्यादा चीजें खरीदेंगे। इससे चीजों की डिमांड बढ़ेगी और सप्लाई नहीं होने पर इनकी कीमत बढ़ेगी। वहीं अगर डिमांड कम होगी और सप्लाई ज्यादा तो महंगाई कम होगी। 3.48फीसदी महंगाई दर का क्या मतलब है? 1. तुलना पिछले साल से होती है (साल-दर-साल) जब हम कहते हैं कि अप्रैल 2026 में महंगाई 3.48फीसदी है, तो इसका मतलब है कि हम इसकी तुलना मार्च 2025 से कर रहे हैं। यह पूरे एक साल का बदलाव है। 3.48फीसदी एक औसत नंबर है जिसे 'कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स' कहते हैं। इसमें आपके जीवन की सैकड़ों चीजें शामिल हैं:-किसी चीज के दाम बहुत ज्यादा बढ़े होंगे। किसी चीज के दाम घटे भी होंगे। जब इन सबको एक साथ मिलाया गया, तो औसतन खर्च 3.48फीसदी बढ़ गया। 2. रु100 की चीज अब रु103.48 की हो गई।

अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक का लखनऊ में निधन,पत्नी अपर्णा भाजपा नेता,अखिलेश पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे

लखनऊ। अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार

को निधन हो गया। उनकी उम्र 38 साल थी। सुबह 6 बजे पत्नी अपर्णा यादव के भाई उन्हें लखनऊ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिविल अस्पताल के चीफ मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. डीसी पांडेय के मुताबिक, जब प्रतीक को लाया गया, तब उनकी पल्स पूरी तरह डाउन थी। हार्ट भी रुक चुका था। प्रतीक की पत्नी और भाजपा नेता अपर्णा फिलहाल असम में हैं। वे लखनऊ के लिए रवाना हो गई हैं। अभी मौत की वजह पता नहीं चल सकी है। शव का पोस्टमॉर्टम किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, यानी ख्धश्ळ में कराया जा रहा है। अपर्णा के भाई अमन सिंह बिष्ट बाहर मौजूद हैं। अखिलेश यादव भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे हैं। सूत्रों के मुताबिक, 30 अप्रैल को प्रतीक को गंभीर हालत में लखनऊ के निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 3 दिन बाद उन्हें थोड़ा आराम मिला। इसके बाद वे अस्पताल से बिना छुट्टी के घर चले गए थे। डॉक्टर्स के मुताबिक, वो फेफड़े की गंभीर बीमारी पल्मोनरी एम्बोलिज्म से जूझ रहे थे। इसमें खून का थक्का फेफड़ों की नसों में फंसकर ब्लड सर्कुलेशन को अचानक रोक देता है। प्रतीक मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। पत्नी अपर्णा इस वक्त उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष हैं।

बढ़ती गर्मी में राहत के लिए बचपन बचाओ सेवा समिति ने किया अनूठा पहल

नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में लगाए जाएंगे शुद्ध पेयजल पियाऊ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भीषण गर्मी को देखते हुए बचपन बचाओ सेवा समिति(एनजीओ) द्वारा नोएडा के औद्योगिक सेक्टर 59, 60, 61, 62, 63, 64 एवं 65 में श्रमिकों, राहगीरों एवं आम नागरिकों के लिए जगह-जगह शुद्ध पेयजल पियाऊ लगाए जा रहे हैं। महासचिव गौरव कुमार यादव ने कहा कि संस्था का उद्देश्य गर्मी के मौसम में लोगों को स्वच्छ एवं ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें राहत मिल सके। इस अभियान के अंतर्गत संस्था के महासचिव गौरव कुमार यादव एवं राष्ट्रीय सचिव अजय सिंह ने नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्ण करुणेश व एसीईओ वंदना त्रिपाठी से मुलाकात की। इस दौरान अधिकारियों ने संस्था के इस जनहित कार्य की सराहना करते हुए कहा कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा बचपन बचाओ सेवा समिति

को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। संस्था के अध्यक्ष कैलाश शाह एवं कोषाध्यक्ष मनोज जायसवाल वह राष्ट्रीय सचिव एमएल यादव ,उपाध्यक्ष सुरेश शाह ,सुभाष वर्मा यादव ने बताया कि वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्रों में पियाऊ लगाने का कार्य प्रारंभ किया गया है और आने वाले समय में लोगों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नोएडा के अन्य क्षेत्रों में भी शुद्ध पेयजल पियाऊ स्थापित किए जाएंगे। संस्था ने सभी सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों से अपील की है कि इस तरह के जनसेवा कार्यों में सहयोग करें, ताकि गर्मी के मौसम में जरूरतमंद लोगों को राहत पहुंचाई जा सके।

नाज़रेथ हॉस्पिटल में अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज़-डे 2026 का भव्य समापन समारोह आयोजित

विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं में नर्सिंग स्टाफ ने दिखाया प्रतिभा और उत्साह

(आधुनि समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नाज़रेथ हॉस्पिटल में

अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज़-डे 2026 के अवसर पर 03 मई 2026 से प्रारम्भ हुए सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का भव्य समापन समारोह बड़े उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य नर्सिंग स्टाफ के समर्पण, सेवा भावना, करुणा एवं स्वास्थ्य सेवा में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करना था। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रार्थना सभा से हुआ, जिसमें Fr. Isidore D'Souza ने सभी को आशीर्वचन प्रदान करते हुए नर्सिंग सेवा को मानवता की सबसे श्रेष्ठ सेवा बताया। इसके पश्चात केककटिंग समारोह आयोजित किया गया, जिसमें अस्पताल प्रशासन, वरिष्ठ अधिकारियों एवं नर्सिंग विभाग के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

नर्सेज़डे सप्ताह के दौरान अस्पताल में विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं गतिविधियों का आयोजन किया एक्टिविटीज, सांस्कृतिक कार्यक्रम, टीम बिल्डिंग गतिविधियाँ, आदि शामिल रहे।इन सभी प्रतियोगिताओं में नर्सिंग स्टाफ एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग

लिया तथा अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। ग्रुप डांस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने देशभक्ति, सामाजिक एकता, प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रेरणादायक एवं सामाजिक पात्रों की प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की। कार्यक्रम के दौरान नर्सिंग स्टाफ द्वारा तैयार विशेष रील्स भी प्रदर्शित की गईं, जिनमें अस्पताल जीवन, टीमवर्क एवं नर्सिंग सेवा की प्रेरणादायक झलकियाँ प्रस्तुत की गईं। दर्शकों ने इन प्रस्तुतियों को अत्यधिक सराहा।इस अवसर पर Fr. Vipin D'Souza ने नर्सिंग स्टाफ को संबोधित करते हुए कहा कि नर्सें स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था की रीढ़ हैं और उनका समर्पण पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने सभी नर्सिंगकर्मियों को अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज़डे की शुभकामनाएँ प्रदान कीं। समारोह के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में अस्पताल प्रशासन एवं अतिथियों ने विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अस्पताल प्रशासन, नर्सिंग विभाग, क्वालिटी टीम, साउंड एवं लाइट टीम, बैकस्टेज टीम तथा सभी सहयोगी कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विशेष रूप से कार्यक्रम संचालन, समन्वय एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सभी आयोजकों एवं एंकर टीम की भूमिका सराहनीय रही। समापन अवसर

गया, जिनमें मुख्य रूप सेः-ग्रुप डांस प्रतियोगिता, स्किट प्रतियोगिता, फैंसीड्रेस प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता, पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, रील्समेकिंग प्रतियोगिता, नर्सिंगक्विज प्रतियोगिता, गीत एवं संगीत प्रस्तुति, मोटिवेशनल स्वास्थ्य जागरूकता एवं नर्सिंग सेवा जैसे विषयों पर आकर्षक प्रस्तुतियाँ दीं। स्किट प्रतियोगिता में मरीजों की देखभाल, अस्पताल जीवन एवं सामाजिक संदेशों को प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। वहीं फैंसीड्रेस प्रतियोगिता में पर सभी अतिथियों, निर्णायकों, प्रतिभागियों एवं सहयोगी कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया गया। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह, एकता, सेवा भावना एवं सांस्कृतिक सौहार्द का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

डीएम की अध्यक्षता में सड़क परियोजनाओं हेतु भूमि अधिग्रहण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में

कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में संचालित विभिन्न सड़क परियोजनाओं के भूमि अधिग्रहण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों द्वारा भूमि अधिग्रहण की वर्तमान स्थिति, मुआवजा वितरण, अवरोधों तथा लंबित प्रकरणों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क परियोजनाओं से संबंधित भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पूर्ण कराया जाए, ताकि परियोजनाओं के निर्माण कार्य में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि किसानों एवं प्रभावित व्यक्तियों को शासन की मंशा के अनुरूप नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित उप जिलाधिकारियों एवं विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि अधिग्रहण से जुड़े विवादित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। बैठक में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की भी समीक्षा की गई व यूपीडा को निर्देशित किया गया कि चिन्हित की गई सड़कों को समयबद्ध रिस्टोर कराया जाए, यूपीडा से चिन्हित सड़कों की कार्ययोजना प्राप्त कर ली जाए, सड़कों की मरम्मत होने के पश्चात संबंधित उप जिलाधिकारी व अधिशासी अभियंता से ज्वॉइंट सर्वे करा कर यह सुनिश्चित करा लिया जाए कि मानक के अनुरूप सड़कों की मरम्मत कर दी गई है। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अमृता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) विशाल यादव,संबंधित उप जिलाधिकारी, एनएचएनआई, यूपीडा, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नौएडा सिटीजन फोरम के प्रतिनिधिमंडल ने की नौएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी से मुलाकात

जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सौंपे ज्ञापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सामाजिक संस्था 'नौएडा सिटीजन फोरम' के प्रतिनिधिमंडल ने नौएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक

अधिकारी कृष्णा करुणेश से मुलाकात कर शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण जनहित के विषयों पर विस्तृत चर्चा की। सीईओ ने विषयों को ध्यानपूर्वक समझा और कार्यवाही के आदेश दिए। सिटीजन फोरम द्वारा सौंपे गए ज्ञापन पत्रों में मुख्य रूप से नौएडा में स्वच्छ पेयजल उपलब्धता, जल संरक्षण, प्रशासनिक पारदर्शिता, जन शिकायत निवारण, अवैध निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, सीवर एवं स्वच्छता व्यवस्था, ग्रामीण विकास, खेल सुविधाओं, लंबित फ्लैट रजिस्ट्री तथा बालिका शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे। साथ ही अवैध बैंक्वेट हॉलों को सील किए जाने की मांग भी रखी गई जिसपर सीईओ नौएडा ने कार्यवाही के निर्देश अपने अधीनस्थ को दिए। प्रमुख मांगें एवं विषय इस प्रकार रहेः-1. स्वच्छ पेयजल एवं जल संरक्षण संबंधी मांगेंः-फोरम ने नौएडा में उच्च टीडीएस युक्त एवं दूषित जल आपूर्ति के विषय में सीईओ नौएडा प्राधिकरण से चर्चा की तथा यह मांग रखी कि गंगाजल मिश्रण एवं जल ट्रीटमेंट के बाद ही जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। सभी हाईराइज सोसायटियों में रेनवाटर हार्वेस्टिंग की नियमित जांच एवं कार्यक्षमता ऑडिट कराया जाए।प्रत्येक सेक्टर में रीयल-टाइम टीडीएस मॉनिटरिंग एवं सार्वजनिक डैशबोर्ड स्थापित किए जाएं। वाटर रिचार्ज वैल विकसित किए जाएं। एस.टी.पी. एवं आर.ओ. के पानी को ट्रीटमेंट के बाद कहां उपयोग किया जा सकता है इस पर विचार किया जाए। अवैध बोरवेल पर कठोर कार्यवाही हो। टैंक ओवरफ्लो रोकने हेतु ऑटो कट-ऑफ सिस्टम अनिवार्य किए जाएं। प्रत्येक सेक्टर में 'वाटर टास्क फोर्स' गठित की जाए। 2. प्रशासनिक पारदर्शिता एवं जवाबदेहीः-नौएडा सिटीजन फोरम ने प्राधिकरण में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने हेतु लोकपाल की शीघ्र नियुक्ति, सिटीजन चार्टर का प्रभावी क्रियान्वयन और प्रकाशन आई.जी.आर.एस. प्रणाली को प्रभावी बनाना, जन सूचना अधिकार निस्तारण में पारदर्शिता, विकास परियोजनाओं की ई.आई.ए. एवं ई.एम.पी. रिपोर्ट सार्वजनिक करना तथा वरिष्ठ अधिकारियों की संपत्ति विवरण सार्वजनिक करने जैसी महत्वपूर्ण मांगें उठाईं गईं। 3. सैक्टर-123 नौएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण में देरी की बात को भी सीईओ के समक्ष रखा। फोरम ने सैक्टर-123 में प्रस्तावित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण में हो रही अत्यधिक देरी को अनुचित बताया, जिसपर सीईओ नौएडा प्राधिकरण ने शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया। फोरम ने सीईओ नौएडा प्राधिकरण को अवगत कराया कि नौएडा में खाली पड़ी भूमि पर अवैध कूड़ा डंपिंग एवं आगजनी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे बहुत ज्यादा प्रदूषण फैल रहा है। फोरम ने परियोजना का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने तथा तब तक क्षेत्र की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की। 4. शहर से जुड़े कई अन्य महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दे पर भी सीईओ नौएडा प्राधिकरण के साथ विस्तार से चर्चा हुई, जिसमें सैक्टर-150 में इंजीनियर युवराज मेहता मृत्यु प्रकरण की न्यायिक जांच की बात कही गई तथा दोषी अधिकारियों पर भी कार्यवाही की मांग रखी गई। सैक्टर-145 नौएडा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अवैध डंपिंग ग्राउंड बंद किए जाने की बात भी सीईओ के समक्ष रखी। जर्जर सीवर लाइनों शीघ्र पुनर्निर्माण, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं खेल सुविधाओं के विस्तार की बातें भी कही गईं।

5. नौएडा में हजारों फ्लैट बायर्स की रजिस्ट्री नहीं हो पा रही हैं जिसे शीघ्र शुरू किया जाए।6. ग्राम सोहरखा, सैक्टर-115 में कम्पोजिट गर्ल्स स्कूल की मांग को भी उठाया गया। फोरम ने ग्राम सोहरखा में 'कम्पोजिट गर्ल्स स्कूल' की स्थापना हेतु ग्रामवासियों की मांग को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत करने का अनुरोध किया। फोरम ने कहा कि यह पहल क्षेत्र की बालिकाओं की शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी। नौएडा सिटीजन फोरम ने कहा कि नौएडा जैसे आधुनिक शहर में नागरिकों को स्वच्छ जल, सुरक्षित वातावरण, पारदर्शी प्रशासन एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सिंह ने सभी मुद्दों पर समयबद्ध एवं ठोस कार्यवाही की अपेक्षा व्यक्त की। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने सभी विषयों से संबंधित पत्रों को ध्यान पूर्वक पढ़ा एवं कई विषयों पर कार्यवाही हेतु अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया एवं कुछ विषयों पर शीघ्र ही कार्यवाही करने के लिए फोरम को आश्वस्त किया। फोरम ने यह भी कहा कि संस्था सदैव जनहित एवं शहर के समग्र विकास हेतु प्रशासन के साथ सकारात्मक सहयोग के लिए तैयार है। इस अवसर पर एनदसीदएफद की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह, महासचिव प्रशांत त्यागी, सचिव एवं कार्यालय प्रभारी गरिमा त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष प्रदीप यादव, सचिव गिरीश कपूर, राजश्री गुप्ता, विधिक सलाहकार एडवोकेट कमल कौशिक उपस्थित रहे।

डीएम ने एसटीपी एवं एफएसटीपी का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत

कौर ब्रोका ने नगर क्षेत्र में पीएसी के निकट स्थापित एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) एवं एफएसटीपी (फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट) का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली, साफ-सफाई व्यवस्था तथा सीवेज एवं फीकल स्लज के निस्तारण संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एसटीपी एवं एफएसटीपी का संचालन निर्धारित मानकों एवं गुणवत्ता के अनुरूप सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने शोधन प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्लांट परिसर में स्वच्छता एवं रखरखाव की व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपचारित जल की गुणवत्ता, मशीनों के संचालन एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं प्रभावी ढंग से संचालित की जाएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन सिद्धार्थ, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

उन्नाव में ओले गिरे, प्रयागराज,लखनऊ-बरेली में तेज आंधी,पेड़-पोल उखड़कर गिरे,मौसम विभाग बोला- अगले 3 घंटे में तूफान का अलर्ट

(आधुनि समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला थम नहीं रहा। आंधी-बारिश के बीच कार पर एक बड़ा पेड़ गिर गया। इसका लाइव वीडियो सामने आया है। बरेली- गिरावट देखने को मिलेगी। 15 मई से गर्मी अपने तेवर दिखाएगी। तापमान में 6 से 8 डिग्री तक की

प्रयागराज सिविल लाइन्स- आंधी के बाद छाया अंधेरा

बुधवार दोपहर ढाई बजे उन्नाव में बारिश के साथ ओले गिरे हैं। कानपुर में भी बरसात हुई। वहीं प्रयागराज में धूल भरी आंधी। बरेली और लखनऊ में तेज आंधी चली। बरेली में हवा की स्पीड इतनी तेज थी कि बिजली के पोल और यूनिपोल उखड़ गए। मौसम विभाग ने अगले 3 घंटे के लिए लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर समेत आसपास के जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी-तूफान आ सकता है। इससे पहले सुबह संभल, मेरठ और बरेली में बारिश हुई। शाहजहांपुर में धूलभरी आंधी चली।उन्नाव में बदायूं में तेज आंधी में कई जगह साइन बोर्ड गिर गए। आज 38 जिलों में आंधी-तूफान के साथ बारिश का अलर्ट है। पिछले 24 घंटे में बांदा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा। वहां 43.6 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। बरेली और रामपुर में 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चली। इससे सड़क किनारे लगे यूनिपोल उखड़ गए। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- 'पश्चिमी विक्षोभ के चलते आज और कल मौसम बदला रहेगा। तेज हवाओं के साथ बारिश होगी। हवा की रफ्तार 50 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। बारिश से तापमान में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। पारा 45 डिग्री के पार जाएगा।' अगले 4 दिन कैसा रहेगा मौसम? 14 मईः पूर्वी और पश्चिमी यूपी में कहीं-कहीं बारिश हो सकती है। बिजली गिरने की भी संभावना है। 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। 15 मईः पूरे प्रदेश में तेज धूप निकलेगी। आसमान साफ रहेगा। पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। 16 मईः आसमान साफ रहेगा और तेज धूप से गर्मी बढ़ेगी। रात में भी गर्मी का एहसास होगा।17 मईः पूरे प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा। आंधी-बारिश का कोई अलर्ट नहीं है।

कंप्यूटर संचालक और प्रोग्रामिंग सहायक (COPA) केशल के महत्वपर कॉमिक्स

नेंनी औथेगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागाज

एस एस यूनिक बाजार का हुआ भव्य उद्घाटन

आधुनिक समाचार नेटवर्क गौरीगंज/अमेठी। मुसाफिरखाना - इसौली रोड रेलवे क्रासिंग के निकट एस एस यूनिक बाजार के उद्घाटन में एस सी एस टी बेसिक टीचर्स वेलफेयर एसोसिएशन जनपद अमेठी के मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र अम्बेडकर पहुंचे। बाजार के मुख्य अतिथि पीके अवधी कमेडी रहे। बाजार में ब्यूटी, ज्वैलरी, ट्वाय, गिफ्ट, बैग्स इत्यादि वस्तुओं से सुसज्जित रही। बाजार के प्रोपराइटर रमेश साहू ने कहा हमारे एक छोटे से आमंत्रण पत्र पर गणमान्य, सम्भ्रांत साथी पहुंचे हम आभारी हैं साथ नए प्रतिष्ठान के उद्घाटन के अवसर पर मै और मेरा परिवार आगंतुकों को धन्यवाद प्रकट करता है।अतिथियों में श्यामा भारती, डब्ल्यू मिश्र, डिम्पल सिंह, नीरज कश्यप, दिनेश कुमार, डॉ नरेन्द्र, अजय कुमार, लवकुश चौरसिया, मोहम्मद यूसुफ,जाहिद उल्ला, सोहराब, दिनेश चौरसिया, बिनीत दूबे, अनिल साहू, विकास दूबे, श्रद्धा नन्द आदि रहे।

नवरत्न फाऊंडेशन ने बार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह मनाया

(आधुनि समाचार नेटवर्क) नोएडा। नौएडा की सामाजिक संस्था नवरत्न फाउंडेशन ने अपने 24वें वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह समर्पण - 2026 का आयोजन 10 मई 2026 को नोएडा के सेक्टर-6 स्थित एनईए भवन में किया। यह वार्षिक उत्सव उन गुमनाम प्रतिभाओं को सम्मानित करने का प्रयास है जो समाज सेवा के प्रति समर्पण भाव रखते हैं। डॉ. अशोक श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में पुण्य स्मृति पुरस्कार भी वितरित किए गए। इसी श्रृंखला में नौएडा की जानी-मानी हस्ती मंजु सूद द्वारा उनके स्वर्गीय पिता एस एन सूद, सुरेन्द्र नाथ सूद, की स्मृति में एस एन सूद सरैंडर नॉट अवार्ड भी प्रदान किया गया। मंजु जी ने यह पुरस्कार अपने स्वर्गीय पिता जी की सौवीं वर्षगांठ पर इसे प्रारंभ किया था व इस वर्ष यह उनका चौथा पुरस्कार है। श्री सुरेन्द्र नाथ स्वयं को सरैंडर नॉट कहते थे, जो जीवन में कभी हार नहीं मानता। उसी तर्ज़ पर मंजु जी ने इसे एस एन सूद सरैंडर नॉट अवार्ड नाम दिया। वे प्रतिवर्ष नगद धनराशि ग्यारह हज़ार रूपए व एक ट्राफी से किसी ऐसे उभरते हुए व्यक्तित्व को सम्मानित करती हैं, जो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर निडर व सम्पूर्ण हौसले से अग्रसर हो रहा हो। इस कड़ी में मंजु जी, पूर्व में इन्हें सम्मानित।कर चुकी हैं। 1). गौरव शुक्ल - संस्थापक, सपोर्ट आवर हीरोज़ (25 वर्षीय) 2). विनायक बहादुर - श्रवण बाधित अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाज़ (19 वर्षीय) 3). देवांश चंद्र - ऑटिस्टिक गायक (18 वर्षीय) आज इस बार वंचित वर्ग की स्वयं एक क्रिकेट खिलाड़ी व क्रिकेट प्रशिक्षक के रूप में 17 वर्षीय अंशु कुमारी, जो नौएडा में अपनी क्रिकेट अकादमी भी चला रही हैं को यह सम्मान प्रदान किया गया है। इस सब खर्च का वाहन अंशु एक टी-स्टाल लगा कर करती हैं। मंजु जी नवरत्न फाउंडेशन को अपना मंच प्रदान करने के लिए अपना आभार प्रकट करती हैं।

वर्ल्ड क्लास सिटी के दावों के बीच बदहाल जनता फ्लैट्स- शालिनी सिंह ने उठाई आवाज

एनसीएफ ने प्राधिकरण से की त्वरित कार्रवाई की मांग

(आधुनि समाचार नेटवर्क) नोएडा। सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने आज अपनी टीम के साथ नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित जनता फ्लैट्स का स्थलीय निरीक्षण किया। यह दौरा उन स्थानीय निवासियों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद किया गया, जो पिछले कई वर्षों से अपनी मूलभूत समस्याओं को लेकर संबंधित प्राधिकरणों का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक कोई ठोस समाधान नहीं मिल पाया है। निवासियों ने फोरम से संपर्क कर अपनी समस्याओं को उठाने और उन्हें मजबूती से प्रशासन तक पहुंचाने की अपील की थी, जिसके संज्ञान में लेते हुए शालिनी सिंह स्वयं टीम के साथ मौके पर पहुंचीं और 'वर्ल्ड क्लास सिटी' नोएडा के दावों के बीच जनता फ्लैट्स की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया तथा एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार की। इस दौरान शालिनी सिंह ने कहा कि यह बेहद चिंताजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक ओर नोएडा को 'वर्ल्ड क्लास सिटी' के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, वहीं दूसरी ओर जनता फ्लैट्स में रहने वाले लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों से इन निवासियों की समस्याओं को नजरअंदाज किया जाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने आगे कहा कि यहां रहने वाले नागरिकों को भी जान-माल की सुरक्षा का पूरा अधिकार है, इसलिए नोएडा प्राधिकरण को चाहिए कि वह इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तत्काल प्रभाव से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। शालिनी सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि जल्द ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो नोएडा सिटीजन फोरम और स्थानीय निवासी मिलकर इस मुद्दे को बड़े स्तर पर उठाने के लिए बाध्य होंगे, ताकि जनता फ्लैट्स में रहने वाले लोगों को उनका हक और सम्मानजनक जीवन मिल सके।

सलाम नमस्ते में जूनियर आर-जे कैंप की शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते 90.4 में 'जूनियर आर-जे कैंप' की शुरुआत की गई। संस्थान परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में नोएडा एवं गाजियाबाद के स्कूलों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सलाम नमस्ते इस कैंप को 13 मई से 30 जून तक आयोजित करेगा, जिसमें बच्चों को रेडियो जगत की तकनीकी एवं रचनात्मक बारीकियों की जानकारी दी जाएगी। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड वर्षा छबारिया ने बताया कि सलाम नमस्ते पिछले पांच वर्षों से 'धूम पिचक धूम' नाम से जूनियर आर-जे कार्यक्रम का सफल आयोजन करता आ रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को सामुदायिक रेडियो के माध्यम से प्रोग्राम प्रस्तुति, रेडियो विज्ञापन, जिंगल, वॉइस ओवर, स्क्रिप्ट लेखन, वॉइस मॉड्यूलेशन, एंकरिंग, माइक हैण्डलिंग एवं डिक्शन जैसी तकनीकी जानकारियों से परिचित कराना है। उन्होंने बताया कि बुधवार को इस कार्यक्रम के लिए 12 छात्रों ने ऑडिशन दिया जिनमें से 6 छात्रों का चयन उनकी भाषा शैली, आवाज एवं उच्चारण के आधार पर जूनियर आर-जे के लिए किया गया। चयनित प्रतिभागियों को रेडियो प्रसारण, संचार कौशल एवं रचनात्मक गतिविधियों का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। वहीं इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथा रेडियो जगत को करीब से समझने का अवसर प्राप्त किया।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने श्री प्रतीक यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने श्री प्रतीक यादव के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने अपने शोक संदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री मुलायम सिंह यादव जी के पुत्र एवं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती अपर्णा यादव के पति श्री प्रतीक यादव जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहन संवेदनाएं व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में दुःख सहन करने की शक्ति दें। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवार के साथ हैं।

प्रवक्ता परीक्षा 2026 की प्रोविजनल उत्तरकुंजी आयोग की वेबसाइट पर अपलोड

प्रयागराज / लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया है कि आयोग द्वारा विज्ञापन संख्या-02/2022 के अंतर्गत आयोजित प्रवक्ता संवर्ग की लिखित परीक्षा, जो 09 एवं 10 मई 2026 को सम्पन्न हुई थी, उसके सभी विषयों की मास्टर सेट की प्रोविजनल उत्तरकुंजी अभ्यर्थियों के अवलोकनार्थ 12 मई 2026 को आयोग की आधिकारिक वेबसाइट https://upessc.up.gov.in पर प्रकाशित कर दी गई है। भौतिक विज्ञान, जीव विज्ञान, गणित, इतिहास, शिक्षा, अंग्रेजी, कृषि, वाणिज्य, समाजशास्त्र, नागरिक शास्त्र, गृह विज्ञान, अर्थशास्त्र, संस्कृत, मनोविज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगोल, हिन्दी एवं कला सहित सभी विषयों की प्रोविजनल उत्तरकुंजी वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि अभ्यर्थी आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए।

अजनारा होम्स के टावर ओ और एन की रजिस्ट्री का रास्ता भी हुआ साफ़

उच्च न्यायालय ने प्राधिकरण को दिया 90 दिनों का समय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नॉएडा वेस्ट स्थित अजनारा होम्स के निवासियों को अब थोड़ी राहत की सांस मिली है जब इस सोसाइटी के दो टावरों ओ और एन की रजिस्ट्री विगत लगभग पांच वर्षों से ग्रेटर नॉएडा प्राधिकरण और बिल्डर की रस्साकसी के बीच लटकी हुई थी। ऐसे में इन दो टावर के लोग नेफोमा के मुख्य सलाहकार दीपक दूबे के नेतृत्व में उच्च न्यायलय में गए जहाँ न्यायालय ने 90 में इनकी मांगो को पूरा करने का निर्देश दिया। दीपक दूबे ने कहा कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट खरीदारों के लिए मुसीबत बन चुका है क्योंकि जिस बात के लिए बायर्स जिम्मेदार नहीं वो बात कहकर प्राधिकरण टाल मटोल कर रहा है कि बिल्डर पैसा जमा नहीं कर रहा, क्या बिल्डर से प्राधिकरण को भुगतान कराने की जिम्मेदारी खरीददारों की है? घर खरीदने वालों से बिल्डर पूरा पैसा ले चुका है तो ऐसे में रजिस्ट्री ना होने के लिए बायर्स कैसे जिम्मेदार हैं , ऐसे में कोर्ट के अलावा लोगों के पास कोई विकल्प ही नहीं बचा रहा।सोसाइटी निवासी आदित्य अग्रवाल बताया कि जिस दिन सुनवाई थी उस दिन हमने अखंड ज्योत जलाई थी क्योंकि कोर्ट ही अंतिम आसरा बचा था लेकिन कोर्ट से हम लोग निराश नहीं हुए बल्कि दिशा निर्देश मिल गया और अब उम्मीद है कि रजिस्ट्री जल्द होगी। नेफोमा अध्यक्ष अन्नू खान ने कहा कि इस तरह की समस्या से ग्रेटर नॉएडा वेस्ट की कई सोसाइटी गुजर रही है जहाँ बिल्डर प्राधिकरण के बीच खिंच तान से रजिस्ट्री बाधित हो रही है और हम लोग इस तरह की समस्या के समाधान को अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। न्यायलय से निर्देश पाने के बाद सोसाइटी निवासियों में बहुत उल्लास है और लोगों ने एक दुसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी ,इस अवसर पर सुबोध सिंह, आलोक कुमार, चितरंजन साहू, रूपम सिंह, धीरेन्द्र सिंहा इत्यादि उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने इमरती कॉलोनी में जलभराव समस्या पर किया औचक निरीक्षण, 10 दिन में नाला सफाई का दिया अल्टीमेटम

ईओ नगर पालिका मुकेश कुमार को निगरानी के निर्देश, बोले- 5 टीमों से युद्धस्तर पर हो सफाई, शिथिलता पर लगेगी पेनाल्टी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। इमरती कॉलोनी में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान एवं वाराणसी-शक्तिनगर राज्य मार्ग पर नगर पालिका क्षेत्र में साइड में निर्मित नाले की सफाई हेतु जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बुधवार को वाराणसी-शक्तिनगर राज्य मार्ग पर निर्मित नाले का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में स्थित लगभग दो किलोमीटर लंबे नाले की सफाई कम से कम पांच टीम लगाकर युद्धस्तर पर कराई जाए। साथ ही नाले की सफाई से संबंधित प्रतिदिन की जियो टैग फोटो उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि वाराणसी-शक्तिनगर राज्य मार्ग के साइड में निर्मित नाले की सफाई उपशा द्वारा 10 दिवस में कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सफाई कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध पेनाल्टी की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद मुकेश कुमार को भी निर्देशित किया कि नगर पालिका की टीम को सफाई कार्य में लगाया जाए तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने इमरती कॉलोनी के पास जलभराव की गंभीर समस्या के निराकरण हेतु कराए जा रहे सर्वे कार्य की प्रगति की भी जानकारी ली तथा अधिकारियों को शीघ्र सर्वे पूर्ण कर कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मानसून से पहले जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान जरूरी है। मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के अधिशासी अभियंता, सभासद अनवर अली, मनोज़ चौबे उपस्थित रहे।

प्रकाश जीनियस पब्लिक स्कूल की पूर्विका त्रिपाठी ने 87फीसदी अंक लाकर किया टॉप

सीईओ संतोष कुमार पांडे ने बांटी मिठाई, सीबीएसई 12वीं में ज्ञानेंद्र शर्मा 85फीसदी, आर्ना पाण्डेय व नीरज शर्मा 83फीसदी अंक लाए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को सीबीएसई बोर्ड द्वारा कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। प्रकाश जीनियस पब्लिक इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की छात्रा पूर्विका त्रिपाठी ने 87 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया। वहीं ज्ञानेंद्र शर्मा ने 85 प्रतिशत, आर्ना पाण्डेय ने 83 प्रतिशत, नीरज शर्मा ने 83 प्रतिशत तथा श्रेयस ने 81 प्रतिशत अंक हासिल किए। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय में खुशी का माहौल रहा।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक राजेंद्र प्रसाद जैन ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

उन्होंने कहा कि बच्चों की मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता मिली है। विद्यालय के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार पांडे ने बच्चों की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आगे भी मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि निरंतर प्रयास से ही बड़े लक्ष्य हासिल होते हैं।

इस दौरान विद्यार्थियों के बीच मिठाइयों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अंबर उपाध्याय, उप प्रधानाचार्य सुरेंद्र यादव सहित विद्यालय के शिक्षकगण उपस्थित रहे।

सभी ने सफल विद्यार्थियों को बधाई दी और उनके बेहतर भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

एमवीएम पब्लिक स्कूल के पृथ्वी ने 95फीसदी अंक लाकर किया टॉप, क्षेत्र में खुशी की लहर

प्रबंधक रमाशंकर दुबे ने दी बधाई बोले- सामूहिक प्रयास का परिणाम है सफलता, आराध्या सिन्हा 93फीसदी व अभिनव तिवारी 91फीसदी अंक लाए

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। मेहनत, लगन और अनुशासन की मिसाल बने माँ वैष्णो मॉडर्न एमवीएम पब्लिक स्कूल, रॉबर्ट्सगंज के विद्यार्थियों ने शानदार परीक्षा परिणाम प्रस्तुत कर विद्यालय, अभिभावकों एवं पूरे जनपद को गौरवान्वित कर दिया है। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की सफलता को लेकर उत्साह और प्रसन्नता का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के होनहार छात्र पृथ्वी ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया और विद्यालय का नाम रोशन किया। वहीं आराध्या सिन्हा ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अभिनव तिवारी ने 91 प्रतिशत अंक अर्जित कर सफलता की नई मिसाल कायम की। इसके अतिरिक्त आयुषी मौर्या, शम्भावी सिंह एवं सुजाता अग्रहरी ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया। वहीं शिवम सिंह, श्रद्धा चौबे, शुभम मिश्रा एवं सक्षम गुप्ता ने 89 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल की।विद्यालय के प्रबंधक रमाशंकर दुबे ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है और आज के विद्यार्थी ही कल के राष्ट्रनिर्माता हैं। उन्होंने कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों एवं संस्कारों से भी जोड़ने का कार्य करता रहा है। प्रधानाचार्य सत्य देव कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता केवल विद्यार्थियों की नहीं, बल्कि पूरे विद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने कहा कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और सकारात्मक सोच से हर लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण विजय कुमार द्विवेदी, विशेष पाठक, कृष्णानंद मिश्रा, कृष्णा मिश्रा आईटी हेड, संजय पाण्डेय, आशीष शुक्ला, अमित पटेल, अशोक कुमार, अमित त्रिपाठी, जय प्रकाश सिंह सहित अन्य शिक्षक एवं अभिभावक उपस्थित रहे। सभी ने सफल विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएँ दीं।

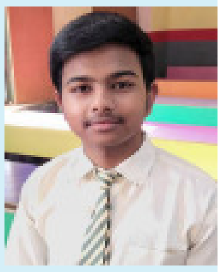

‘भारतीय भाषा समर कैंप 2026’ शुरू, बांग्ला वर्णमाला से कराया परिचित

छात्राओं ने सीखे दैनिक जीवन के वाक्यांश व अभिवादन, भाषाई दक्षता बढ़ाने पर जोर; समग्र विकास के लिए संचालित हुईं विविध गतिविधियाँ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। बुधवार को पी.एम.श्री. राजकीय बालिका इंटर कॉलेज रॉबर्ट्सगंज में भारतीय भाषा समर कैंप 2026 का आयोजन किया गया। कैंप के प्रथम दिन छात्रों के समग्र भाषाई विकास हेतु विविध गतिविधियाँ संचालित की गईं। इस कैंप का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय भाषाओं के प्रति जागरूक करना तथा उनकी आधारभूत भाषाई दक्षताओं को विकसित करना था। कैंप के दौरान छात्रों को सबसे पहले विभिन्न भारतीय भाषाओं, विशेष रूप से बांग्ला भाषा के वर्णमाला से परिचित कराया गया। उन्हें अक्षरों के सही उच्चारण एवं लेखन का अभ्यास कराया गया। इसके साथ ही संख्याओं को भी सरल एवं रोचक तरीकों से सिखाया गया, जिससे छात्र दैनिक जीवन में उनका प्रयोग कर सकें। छात्रों को हस्ताक्षर बनाने का अभ्यास भी कराया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास एवं व्यक्तिगत पहचान की भावना विकसित हो। कैंप में मूल अभिवादन जैसे नमस्ते, धन्यवाद, कृपया आदि शब्दों का प्रयोग सिखाया गया तथा विभिन्न भारतीय भाषाओं में अभिवादन करने की विधि भी बताई गई। अंत में, छात्रों को दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाले सरल वाक्यांश सिखाए गए। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि समर कैंप के माध्यम से बच्चों में भाषाई विविधता के प्रति सम्मान और बहुभाषिक क्षमता विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे न केवल उनकी संवाद क्षमता बढ़ेगी बल्कि भारतीय संस्कृति से जुड़ाव भी मजबूत होगा। कैंप आगामी दिनों में भी विभिन्न भाषाई गतिविधियों के साथ जारी रहेगा।

प्रतापगढ़ के सिपाही की सोनभद्र में सड़क हादसे में मौत,ड्यूटी पर जाते समय टैंकर ने मारी टक्कर

सोनभद्र। सोनभद्र में तैनात सिपाही नीरज कुमार यादव की मंगलवार रात वाराणसी के ट्रामा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। वह ड्यूटी पर जाते समय एक टैंकर की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हो गए थे। नीरज कुमार यादव कुंडा कोतवाली के नरसिंहगढ़ निवासी थे। वह सोनभद्र जनपद की दुद्धी कोतवाली में पीआरवी टीम में सिपाही के पद पर कार्यरत थे। मंगलवार को ड्यूटी पर जाते समय उनकी बाइक को एक टैंकर ने टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें इलाज के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी भेजा गया था। सिपाही की मौत की सूचना गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। बुधवार को जब उनका शव घर पहुंचा, तो परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां, पिता और छोटे भाई सहित पूरे परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। नीरज कुमार यादव वर्ष 2017 बैच के सिपाही थे। वह अपने मिलनसार व्यवहार के कारण क्षेत्र में काफी लोकप्रिय माने जाते थे। गांव में भी इस घटना के बाद मातम का माहौल है।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

धर्मशाला पहुंची मुंबई इंडियंस की टीम,तिलक वर्मा ने दिए ऑटाग्राफ,प्रशंसकों से बिना मिले निकले रोहित शर्मा,आज पंजाब किंग्स होगा मुकाबला

धर्मशाला। मुंबई इंडियंस (एमआई) की टीम मंगलवार को धर्मशाला पहुंच गई। दुनिया के सबसे खूबसूरत क्रिकेट मैदान एचपीसीए स्टेडियम में आईपीएल 2026 के 58वें मुकाबले के लिए टीम चंडीगढ़ से एलायंस एयर के विशेष विमान से कांगड़ा पहुंची। इस सीजन में प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर होने के बावजूद, पहाड़ों की वादियों में हिटमैन रोहित शर्मा के प्रति प्रशंसकों का उत्साह स्पष्ट रूप से देखा गया। एयरपोर्ट के बाहर सैकड़ों क्रिकेट प्रेमी अपने पसंदीदा सितारों की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते रहे। जैसे ही रोहित शर्मा बाहर आए, पूरा परिसर मुंबई-मुंबई के नारों से गूंज उठा। सुरक्षा कारणों से रोहित सीधे अपनी लग्जरी बस में सवार होकर होटल रेडिसन ब्लू के लिए रवाना हो गए।रोहित शर्मा भले ही प्रशंसकों से सीधे बातचीत नहीं कर पाए, लेकिन टीम के युवा खिलाड़ियों ने उनका दिल जीता। तिलक वर्मा ने प्रशंसकों के बीच जाकर ऑटोग्राफ दिए और उनके साथ सेल्फी खिंचवाई। नमनधीर ने स्थानीय युवाओं के साथ क्रिकेट पर चर्चा की। चोट के बाद वापसी कर रहे दीपक चाहर ने भी फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। टीम के साथ सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, टिम डेविड और कप्तान हार्दिक पांड्या भी धर्मशाला पहुंचे हैं। आज शाम पंजाब किंग्स से होगा मुकाबला-मुंबई इंडियंस का अगला मुकाबला 14 मई को शाम 7:30 बजे पंजाब किंग्स से होगा। मुंबई के लिए अब खोने को कुछ नहीं है, लेकिन वे पंजाब किंग्स का खेल बिगाड़कर सीजन का अंत सम्मानजनक स्थिति में करना चाहेंगे। धर्मशाला की तेज पिच पर मुंबई के जसप्रीत बुमराह और गेराल्ड कोएत्ज़ी पंजाब के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा ले सकते हैं। क्रिकेट जानकारों का मानना है कि दबाव मुक्त होकर खेल रहे रोहित शर्मा 14 मई को धर्मशाला की छोटी बाउंड्री का फायदा उठाकर छक्कों की बरसात कर सकते हैं। मैच के लिए टिकटों की मांग इतनी अधिक है कि स्टैंड्स के अभी से 'हाउसफुल' होने के संकेत हैं। अक्षर की कप्तानी में लौटी दिल्ली, राहुल ने बटोरी सुर्खियां-मुंबई के आने से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स की टीम धर्मशाला से रवाना हुई। ऋषभ पंत की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे अक्षर पटेल के साथ पूरी टीम दिल्ली लौट गई। विशेष बात यह रही कि केएल राहुल ने एयरपोर्ट पर काफी समय बिताया और नन्हे प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देकर उनका दिन बना दिया।

पहलवान विनेश बोलीं- इन बेशर्मों को क्या फर्क पड़ता है,गोंडा से हरियाणा लौटीं,बृजभूषण-देवीजी का फैलाया रायता समेट रहे

गोंडा/हरियाणा। गोंडा में हो रही सीनियर नेशनल ओपन कुश्ती चैंपियनशिप में खेलने पर अड़ीं पहलवान विनेश फोगाट मंगलवार सुबह हरियाणा लौट गईं। उन्होंने आज चैंपियनशिप में कुश्ती लड़ने का ऐलान किया था, लेकिन गोंडा नहीं पहुंचीं। विनेश को भारतीय कुश्ती महासंघ ने 9 मई को एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए चैंपियनशिप में बैन कर दिया था। इसके बावजूद वह सोमवार को गोंडा के स्टेडियम पहुंची थीं। वहां उन्होंने कहा था- मुझे कोई भी दिक्कत आए, इन बेशर्मों को क्या फर्क पड़ता है। इसके बाद विनेश गोंडा से अयोध्या वापस आ गई थीं। इधर, पहलवान साक्षी मलिक विनेश फोगाट के समर्थन में उतर आई हैं। उन्होंने पीएम, खेल मंत्री और रेसलिंग फेडरेशन से अपील की कि विनेश का ट्रायल कराया जाए, जिससे वह देश के लिए पदक जीत सकें। वहीं, पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने विनेश फोगाट के बयानों पर पलटवार किया। कहा- मेरे लिए जो रायता फैलाकर गई हैं देवीजी, हम उसी को निपटा रहे हैं। इस समय दिल्ली कोर्ट में वही रायता निपटाने आया हूं। वहीं, बृजभूषण के सांसद बेटे करण भूषण सिंह ने विनेश को जाहिल बताया। कैसरगंज से भाजपा सांसद ने कहा-'कोई जाहिल है तो उसको हम लोग सिखा नहीं सकते। हर किसी को अपनी मर्यादा पता होनी चाहिए। हम लोगों को भी कई बातें बुरी लगती हैं, लेकिन हम कुछ नहीं कहते।' 'विनेश दर्शक बनकर कुश्ती देखना चाहें तो देख सकती हैं' इससे पहले, डब्लूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा- विनेश कुश्ती नहीं खेल सकती हैं। वह दर्शक बनकर कुश्ती देखना चाहें तो देख सकती हैं। विनेश से मेरी बात हुई है। अभी तक उन्होंने कारण बताओ नोटिस का जवाब नहीं दिया। इसके बावजूद वह कह रही थीं कि उन्हें इस टूर्नामेंट में कुश्ती लड़ने दी जाए। डब्लूएफआई के नियमों के अनुसार, बिना जवाब दिए वे टूर्नामेंट में नहीं लड़ सकतीं। उन्हें यही बात बताई गई। हालांकि, विनेश ने दावा किया कि उन्होंने जवाब दाखिल कर दिया है। गोंडा में विनेश ट्रेनिंग सेंटर बंद होने पर लौट गईं थीं सोमवार शाम 4 बजे विनेश फोगाट गोंडा के नंदनी नगर स्टेडियम के ट्रेनिंग सेंटर पहुंची थीं, लेकिन ट्रेनिंग सेंटर बंद मिला। इसके बाद विनेश ने मीडियाकर्मियों के सामने ही डब्लूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह को फोन किया, लेकिन फोन बिजी आ रहा था। इसके बाद उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत की। उन्होंने कहा- मैंने एक जवाब दे दिया है। दूसरा जवाब भी तैयार कर रही हूं। मेरे पूरे जवाब से पहले ही मुझे कैसे दोषी करार दे दिया गया, इसके बाद वह गोंडा से लौट गईं। रात में अयोध्या में एक होटल में रुकीं। फिर सुबह लखनऊ पहुंचीं और यहां से हरियाणा के लिए रवाना हो गईं।

रियल बेटिस 20 साल बाद चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई,पेत्रोत को रेड कार्ड, स्पेनिश लीग ला लीगा में एल्चे को 2-1 से हराया

मैड्रिड। स्पेनिश क्लब रियल बेटिस ने 20 साल बाद फुटबॉल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता यूईएफए चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई कर इतिहास रच दिया है। मंगलवार को स्पेनिश लीग ला लीगा में बेटिस ने एल्चे को 2-1 से हराकर 5वां स्थान और चैंपियंस लीग का अंतिम स्पॉट पक्का कर लिया। एल्चे रेलीगेशन के करीब है। रियल बेटिस ने आखिरी बार 2005-06 सीजन में चैंपियंस लीग खेली थी। मैनुअल पेलेग्रिनी की टीम ने जीत के साथ छठे स्थान पर मौजूद सेल्टा विगो पर 7 अंकों की बढ़त बना ली है। लीग में अब केवल दो दौर के मैच बाकी हैं। बेटिस के प्रशंसकों के लिए यह इमोशनल पल है, क्योंकि 2 दशक बाद उनकी टीम यूरोप के सबसे बड़े मंच पर खेलेगी। बेटिस के लिए कुचो हर्नांडेज ने 9वें मिनट में गोल कर बढ़त दिलाई थी। हाफ-टाइम से पहले एल्चे के हेक्टर

फोर्ट ने स्कोर बराबर कर दिया। 49वें मिनट में एल्चे के लियो पेत्रोत को रेड कार्ड मिला। इसके बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही एल्चे के खिलाफ पाब्लो फोर्नाल्स ने 68वें मिनट में विनिंग गोल दागकर बेटिस की जीत और चैंपियंस लीग का टिकट तय कर दिया। एटलेटिको मैड्रिड की भी जीत एक अन्य मुकाबले में चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड ने ओसासुना को 2-1 से हराया। एटलेटिको के लिए एडेमोला लुकमैन और अलेक्जेंडर सोरलॉथ ने गोल किए। 79वें मिनट में मार्कोस लोरेंटे को रेड कार्ड मिलने के बाद टीम को अंत में 10 खिलाड़ियों के साथ संघर्ष करना पड़ा। ला लीगा की ताजा स्थिति-रियल बेटिसः 5वें स्थान पर रहकर चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई किया। सेल्टा विगोः लेवांते से 3-2 की हार के बाद छठे स्थान पर खिसकी।लेवांतेः विगो पर जीत के साथ ही अंक तालिका में 16वें स्थान पर पहुँच गई है। एल्चे : हार के बाद टीम रेलीगेशन जोन के करीब है। बार्सिलोना ने मैड्रिड को हराकर जीता टाइटल-ला लिगा के मौजूदा सीजन का खिताब बार्सिलोना ने जीता। उसने पॉइंट टेबल में 14 अंकों के भारी अंतर के साथ ला लिगा का खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया। 97 साल बाद 'एल क्लासिको' से लीग का विजेता तय हुआ।

गर्लफ्रेंड कभी प्यार जताए, कभी गायब हो जाए,कभी बहुत बातें तो कभी मैसेज का जवाब भी नहीं, क्या करूं मै बहुत परेशां हूँ

नोएडा। रिलेशनशिप की शुरुआत में उतार-चढ़ाव आना सामान्य है। लेकिन अगर किसी व्यक्ति का व्यवहार लगातार ऐसा ही बना हुआ है तो इसे मनोविज्ञान में 'हॉट-एंड-कोल्ड बिहेवियर' कहा जाता है। हालांकि, आपने अपने सवाल में ये नहीं स्पष्ट किया है कि- क्या ये रिलेशनशिप दोतरफा है? कहीं आप अपने दिमाग में अकेले डेट तो नहीं कर रहे? कहीं ये दूसरे व्यक्ति के लिए सिर्फ दोस्ती तो नहीं है? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम। सवाल- मेरी उम्र 28 साल है। मैं पिछले कुछ महीनों से एक लड़की को डेट कर रहा हूं। उसका व्यवहार बहुत अजीब है। कभी तो वो खूब बातें करती है, ढेरों प्लान बनाती है, फोन करती है, मिलती है, हम साथ घूमते हैं। कभी अचानक कई-कई दिनों के लिए गायब हो जाती है। फोन नहीं उठाती, मैसेज का जवाब नहीं देती। क्या ये बिहेवियर नॉर्मल है? क्या वो इस रिलेशनशिप को लेकर सीरियस है? मैं इस बिहेवियर को कैसे समझूं, क्या करूं? जवाब-हम इन संभावनाओं के बारे में इसलिए

पूछ रहे हैं, क्योंकि आपके सवाल से ये क्लियर नहीं है कि आपको लेकर डेटिंग पार्टनर का नजरिया क्या है? हालांकि, अगर दोनों

ओर से प्यार-मोहब्बत का एहसास नहीं भी है, इसके बावजूद किसी रिश्ते में ऐसी कंडीशन हेल्दी नहीं है। प्यार कोई 'लुका-छिपी' का खेल नहीं-किसी भी रिलेशनशिप में स्थिरता नींव की तरह होती है। इसी के आधार पर रिश्ते का भविष्य तय होता है। यह कोई 'लुका-छिपी' का खेल नहीं है कि कुछ दिन साथ में हैं और कुछ दिनों के लिए अचानक गायब हो गए। इस तरह की कंडीशंस रिलेशनशिप को टॉक्सिक बना सकती हैं। ग्राफिक में देखिए, टॉक्सिक रिलेशनशिप के संकेत- कभी बहुत प्यार दिखाना। कभी बिल्कुल उदासीन। कभी बहुत करीब कभी बहुत दूरी रखना। मिजाज व्यवहार स्थिर न होना। कॉल - मैसेज न करना। कॉल मैसेज का जवाब न देना। अपने बिहेवियर को डिनाय करना। उसकी जिम्मेदारी न लेना। बातचीत अवॉइड करना। पार्टनर ऐसा कब बिहेव करता है? आमतौर पर पार्टनर ऐसा व्यवहार तब करता है, जब वह रिलेशनशिप को लेकर अनिश्चितता में होता है। मुमकिन है कि वह आपको पसंद तो करती हो, लेकिन भविष्य को लेकर श्योर न हो। आपने बताया कि आप अभी डेटिंग फेज में हैं। इसका मतलब है कि रिश्ते को लेकर कमिटमेंट नहीं है। ऐसी स्थिति में संभव है कि वह आपके अलावा अन्य विकल्प भी एक्सप्लोर कर रही हो। इसे अवॉइडेंट बिहेवियर कहते हैं। 'अवॉइडेंट बिहेवियर' के 5 कारण- इंटरेस्ट की कमी, ऑप्शन की तलाश, कमिटमेंट फोबिया, इमोशनल इममैच्योरिटी, कंट्रोल गेम। लड़की का नजरिया भी समझें-जरूरी नहीं है कि लड़की जानबूझकर आपका दिल दुखा रही हो। कुछ लोग रिश्तों में ज्यादा करीब आने से घबराते हैं। जब भावनाएं बहुत तीव्र हो जाती हैं, तो वे थोड़ी दूरी बनाने लगते हैं। कभी-कभी पुराने रिश्तों के बुरे अनुभव, जिम्मेदारी से डर या जिंदगी की दूसरी परेशानियां भी वजह हो सकती हैं। इसलिए कोई फैसला लेने से पहले खुलकर बात करना जरूरी है। ब्रेन का 'डोपामिन लूप' में फंसना-अगर कोई व्यक्ति किस्तों में प्यार करता है तो इससे दिमाग 'डोपामिन लूप' में फंस जाता है। जब पार्टनर अच्छे से बात करता है तो हाई महसूस होता है और जब वो गायब होता है तो बेचैनी महसूस होती है।जेन-ज़ी इसे 'बेडक्रंबिंग' भी कहते हैं। इसका मतलब है कि व्यक्ति को सिर्फ उतने ही प्यार के टुकड़े देना, जिससे वह रिश्ता छोड़कर न जाए, लेकिन उसे पूरा हक भी न मिले। अब आपको यह पता करना होगा कि कहीं आप भी 'डोपामिन लूप' में तो नहीं फंस गए हैं। क्या प्यार एडिक्शन बन रहा हैं खुद से पूछे ये सवाल-जब वो बात करती हैः-तो हाई फील करते हैं। पूरी दुनिया अच्छी लगती है। सारे काम अच्छे से होते हैं। वेल मैनेज्ड तरीके से रहते हैं। जब बात नहीं करती-तो लो फील करते हैं। हर चीज बुरी लगती है। किसी काम में मन नहीं लगता। सबकुछ बिखर जाता है। रिलेशनशिप सिर्फ एक शख्स के हिसाब से नहीं चलता है। इसमें दोनों की अपनी-अपनी मौजूदगी मायने रखती है। इसमें दोनों लोगों के बराबर के इन्वेस्टमेंट्स होते हैं। इसके साथ दोनों की अपनी-अपनी जिम्मेदारियां भी होती हैं। आपको क्या करना चाहिए? जिस स्थिति में अभी आप फंसे हुए हैं, उसमें कोई भी जल्दबाजी का फैसला आपको गिल्ट में डाल सकता है। इसलिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें-स्पष्ट बातचीत करें-सही समय चुनकर आप अपनी फीलिंग्स शेयर करें। पार्टनर को स्पष्ट तौर पर बताएं कि 'जब तुम कई दिनों तक गायब होती हो तो मैं कन्फ्यूज और इनसिक्योर महसूस करता हूं।' इस तरह के वाक्य स्थिति को बेहतर ढंग से बयां कर सकते हैं। साथ ही रिश्ते की दिशा और उम्मीदों पर खुलकर बात करना जरूरी है। कम्युनिकेशन की अपेक्षाएं तय करें-यह साफ करें कि कितनी बातचीत या अपडेट आपके लिए जरूरी है। अगर पार्टनर को स्पेस चाहिए तो वह पहले से बताए। ऐसा एक बेसिक नियम बनाना रिलेशनशिप को स्थिर बना सकता है। इमोशनल बाउंड्री बनाएं-अपनी खुशियों और मूड को सिर्फ एक व्यक्ति की उपलब्धता पर निर्भर न होने दें। यह किसी भी रिलेशनशिप के लिए हेल्दी नहीं है। दोस्तों, काम और हॉबीज पर फोकस रखने से भावनात्मक संतुलन बना रहता है।समयसीमा तय करें-रिश्ते को समझने के लिए खुद को एक तय समय दें। अगर इस दौरान भी व्यवहार में निरंतरता नहीं आती तो यह संकेत है कि सामने वाला अपना 100 प्रतिशत नहीं दे रहा है। सम्मान को प्राथमिकता दें-याद रखें, जहां आपकी मौजूदगी की कद्र नहीं होती, वहां स्वस्थ और लंबे समय तक चलने वाला प्यार बन पाना मुश्किल होता है। अंतिम सलाह-जो रिश्ता बार-बार आपको खुद की वैल्यू पर सवाल करने को मजबूर करे, वह लंबे समय में खुशी नहीं दे सकता। प्यार में उत्साह जरूरी है, लेकिन स्थिरता उससे भी ज्यादा जरूरी है। अगर कोई व्यक्ति आपकी मौजूदगी को सहजता से स्वीकार नहीं कर पा रहा है तो यह भी उसका एक जवाब हो सकता है।

एआई में आगे बढ़ने के लिए विदेशी डेटा सेंटरों को छूट कितनी उचित?

भारत एआई इंफ्रास्ट्रक्चर हब बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसका एक जरिया विदेशी कंपनियों के लिए भारत में डेटा सेंटर की स्थापना को आसान करना भी है। डेटा सेंटर ऐसी कंप्यूटर सिस्टम्स फेसेलिटी हैं, जो डेटा स्टोर करने में इस्तेमाल होती हैं और क्लाउड स्टोरेज से लेकर एआई तक हर चीज को सपोर्ट करती हैं। इस साल के बजट में विदेशी कंपनियों को भारत में डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए 21 साल की टैक्स छूट दी गई है। केंद्र की इस टैक्स छूट के अलावा, राज्य सरकारों ने भी विदेशी डेटा सेंटरों को कई तरह के प्रोत्साहन दिए हैं। लेकिन अमेरिका में देखें तो इन्हीं कंपनियों के डेटा सेंटरों में बड़े निवेश के प्रस्ताव स्थानीय विरोध के कारण वापस ले लिए गए हैं। तब सवाल उठता है कि एआई इकोनॉमी में प्रवेश करने के लिए विदेशी डेटा सेंटरों की मेजबानी करना क्या भारत के लिए सही रणनीति है?पहले तो हम देखें कि इस टैक्स छूट को लेने वाली विदेशी कंपनियों के लिए टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की कोई शर्त नहीं रखी गई है और न ही भारत में एआई मैन्युफैक्चरिंग और तकनीकी क्षमता बढ़ाने के कोई प्रावधान हैं। मौजूदा भारत-अमेरिका ट्रेड फ्रेमवर्क के तहत भारत ने वादा किया है कि वह तकनीकी समेत 500 अरब डॉलर तक की अमेरिकी वस्तुएं और सेवाएं खरीदेगा। अमेरिकी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरणों पर आयात प्रतिबंध भी हटाएगा। ऐसे में बहुत संभावना है कि भारत में डेटा सेंटर चलाने वाली कंपनियां घरेलू क्षमता विकसित करने के बजाय अमेरिका से उपकरणों का आयात करेंगी। गौरतलब यह भी है कि डेटा सेंटर चलाने वाली भारतीय कंपनियों को इस टैक्स छूट का लाभ नहीं मिलता, क्योंकि यह केवल विदेशी कंपनियों के लिए है। इन हालात में टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के बगैर डेटा सेंटर इनोवेशन के इंजन नहीं, महज गोदाम बनकर रह जाते हैं। इस टैक्स छूट के लिए जरूरी है कि इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय डेटा सेंटरों के लिए एक योजना लाए। इसमें नॉलेज ट्रांसफर और भारतीय कंपनियों के लिए सीधे प्रोत्साहन का प्रावधान शामिल हो। इनके बिना भारत इंफ्रास्ट्रक्चर मुहैया कराने तक ही सीमित रहेगा, एआई क्षमता विकसित नहीं कर पाएगा। दूसरी बात, डेटा सेंटरों में अत्यधिक बिजली खपत होती है और उन्हें कूलिंग के लिए पानी की बहुत अधिक जरूरत होती है। भारत जैसे देश में इनके लिए नियामक प्रावधान की जरूरत है, जहां हीटवेव और जल संकट पहले ही जनजीवन को प्रभावित कर रहे हैं।आम तौर पर तर्क दिया जाता है कि भारत को इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की जरूरत है और पर्यावरण संबंधी ये चिंताएं तो पश्चिमी देशों की लग्जरी हैं। लेकिन यह तर्क भारत में जल संकट के खतरे को नजरअंदाज करता है। भारत में दुनिया की 18इ आबादी रहती है, लेकिन जल संसाधन केवल 4इ हैं। भारत के मौजूदा 50 डेटा सेंटर पहले ही ऐसे क्षेत्रों में हैं, जहां पानी की भारी किल्लत है। विदेशी डेटा को भारत में रखने के भू-राजनीतिक जोखिम भी हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध में ईरान ने यूएई और बहरीन में एडब्ल्यूएस डेटा सेंटरों पर हमला किया। ईरान ने जिन लक्ष्यों की सूची जारी की, उनमें भी प्रमुख अमेरिकी टेक कंपनियों के डेटा सेंटर शामिल थे और उन्हें 'एनिमी टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर' के तौर पर वर्गीकृत किया गया था। डेटा सम्प्रभुता का सिद्धांत भी कहता है कि डिजिटल डेटा उसी देश के कानूनों या न्यायिक क्षेत्र के अधीन होता है, जहां वह भौतिक रूप से उत्पन्न और स्टोर होता है। बजट में भी प्रावधान है कि विदेशी कंपनी ऐसे 'स्पेसिफाइड डेटा सेंटर' के माध्यम से काम करे, जो भारतीय स्वामित्व में हो। (ये लेखिकाओं के अपने विचार हैं,ऋचा रॉय और अरूंधती काटजू)

ट्रम्प को चीन से कोई 'बिग ब्यूटीफुल डील' नहीं मिलेगी

ट्रम्प और शी जिनपिंग की मुलाकात जल्द ही बीजिंग समिट में होगी। अपने दूसरे कार्यकाल में ट्रम्प की यह पहली चीन यात्रा होगी। इससे पहले, अक्टूबर 2025 में दोनों नेता दक्षिण कोरिया के बुसान में मिले थे। पहले कार्यकाल में ट्रम्प ने चीन के साथ अमेरिका के दशकों पुराने जुड़ाव को खत्म कर दिया था।

एक साल तक दोनों देशों के बीच चले टैरिफ युद्ध के बाद अब ट्रम्प की इस यात्रा का उद्देश्य शायद दोनों देशों के बीच रिश्तों को फिर से बहाल करना है। चीन से अमेरिका के पुराने रिश्ते इस भ्रम पर आधारित थे कि पश्चिमी देशों के साथ आर्थिक जुड़ाव चीन को अधिक खुला और लोकतांत्रिक बनाएगा। लेकिन नया रिश्ता ऐसे चीन से निपटने की व्यावहारिक जरूरत है, जो पूरी तरह कम्युनिस्ट पार्टी के नियंत्रण में है और एक आर्थिक तथा तकनीकी महाशक्ति बन चुका है।

निःसंदेह, शानो-शौकत और दिखावे के शौकीन ट्रम्प का चीन में बेहद भव्य स्वागत होगा। कुछ प्रतीकात्मक कदम और कारोबारी समझौते हो सकते हैं। लेकिन जोर प्रतिस्पर्धा खत्म करने पर नहीं, उसे मैनेज करने पर ही रहेगा। बुसान में शी-ट्रम्प के बीच हुए टैरिफ समझौते को आगे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन तकनीकी, सुरक्षा और भू-राजनीतिक प्रभाव के क्षेत्रों में दोनों देशों की प्रतिद्वंद्विता में कोई बदलाव नहीं आएगा। चीन के लिए ताइवान अहम प्राथमिकता है। पिछले साल ट्रम्प ताइवान के लिए 11 अरब डॉलर के हथियार पैकेज की मंजूरी दे चुके हैं। लगभग 14 अरब डॉलर के अन्य पैकेज भी प्रक्रियाधीन हैं, जिनमें अत्याधुनिक मिसाइलें शामिल हैं। चीन ने अमेरिका को कहा था कि वह ताइवान को हथियार बेचने के मुद्दे पर सावधानी बरते। इसी बीच, ताइवान की विपक्षी पार्टी केएमटी की चेयरपर्सन चेंग ली-वुन की चीन में शी से हालिया मुलाकात यह संकेत देती है कि ताइवान को लेकर चीन के पास सैन्य विकल्पों के अलावा और भी रास्ते हैं। शी-ट्रम्प बैठक का सबसे संभावित नतीजा यही होने वाला है कि दोनों पक्ष अपने-अपने रुख दोहराएंगे और मतभेदों पर परदा डालने की कोशिश करेंगे। फिर ये बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब ईरान युद्ध का असर पूरी दुनिया पर है और दोनों नेताओं की मुलाकात तक इसके समाप्त होने की संभावना भी नहीं दिख रही। निश्चित ही बातचीत में ईरान बड़ा विषय रहेगा, क्योंकि वह चीन का करीबी साझेदार है और उसके तेल निर्यात का बड़ा हिस्सा चीन में ही जाता है। ट्रम्प शायद चीन पर दबाव बनाएंगे कि वह होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए ईरान को राजी करे। वैसे भी चीन इसका समर्थन करता है। चीन भी इसे इस नजरिए से देखेगा कि ईरान मसले ने अमेरिका का ध्यान पूर्वी एशिया से हटा दिया है। कई विश्लेषक पहले ही क्वाड की घटती प्रासंगिकता की ओर इशारा कर चुके हैं। 2025 में क्वाड का कोई समिट नहीं हुआ और कब होगा, यह भी तय नहीं। हालांकि, इसी माह के अंत में क्वाड देशों की बैठक नई दिल्ली में होने वाली है। हाल ही एक पोस्ट में ट्रम्प ने इस यात्रा को लेकर उम्मीदों को अपने अंदाज में जाहिर किया। उन्होंने खुद ही ऐलान कर दिया कि होर्मुज स्ट्रेट खुलने से चीन बहुत खुश है। ट्रम्प ने लिखा, 'मैं यह पूरी दुनिया के लिए और उनके लिए भी कर रहा हूं।' उन्होंने यह भी कहा कि चीन ने ईरान को हथियार नहीं भेजने पर सहमति जताई है। वैसे चीन के प्रति ट्रम्प की शत्रुता कम नहीं हुई है, लेकिन उनका अंदाज बदल गया है। धमकियां नाकाम होने पर अब वे दोस्ताना और सौदेबाजी वाला रवैया आजमा रहे हैं। ट्रम्प अपनी शैली के मुताबिक इस समिट को एक शानदार जीत के रूप में पेश करना चाहेंगे, जिसमें कोई 'बिग ब्यूटीफुल डील' हो जाए। लेकिन चीन समझदार है और शायद ही उन्हें उनकी उम्मीदों के मुताबिक कोई बड़ी डील देगा।

चीन के प्रति ट्रम्प की शत्रुता कम नहीं हुई है, लेकिन उनका अंदाज बदल गया है। धमकियां नाकाम होने पर अब वे दोस्ताना और सौदेबाजी वाला रवैया आजमा रहे हैं। ट्रम्प शी जिनपिंग के साथ समिट को एक शानदार जीत के रूप में पेश करना चाहेंगे। (ये लेखक के अपने विचार हैं,मनोज जोशी)

सस्ती एनर्जी का दौर फिलहाल के लिए तो खत्म हो चुका है

वैश्विक तेल संकट अब भारत के घरेलू बजटों को प्रभावित करने वाला है। दुनिया भर में सरकारें पहले ही किसी न किसी रूप में ऊर्जा-अनुशासन लागू करने लगी हैं। श्रीलंका ने चार-दिवसीय वर्क-वीक और ईंधन पास की नीति लागू की है। बांग्लादेश ने ईंधन की राशनिंग शुरू कर दी है। फिलीपींस ने ऊर्जा आपातकाल घोषित कर दिया है। दक्षिण कोरिया ने तीन दशकों में पहली बार ईंधन मूल्य सीमा लागू की है। जापान ने रिकॉर्ड रणनीतिक भंडार जारी किए। यूरोपीय देश नागरिकों को ऊर्जा बचाने की चेतावनी दे रहे हैं, क्योंकि कई बाजारों में पेट्रोल की कीमतें 200 रु. प्रति लीटर से ऊपर पहुंच चुकी हैं। सस्ती एनर्जी का युग समाप्त हो चुका है, कम-से-कम फिलहाल के लिए। इसका कारण हजारों किलोमीटर दूर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में निहित है। यह संकीर्ण जलमार्ग दुनिया की लगभग 20फीसदी तेल आपूर्ति के लिए जिम्मेदार है। ईरान युद्ध इस महत्वपूर्ण मार्ग को अनिश्चितता के क्षेत्र में बदल चुका है। तेल टैंकरों के मार्ग बदले जा रहे हैं, शिपिंग बीमा लागतों में विस्फोटक वृद्धि हुई है, माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है और आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हैं।

भारत तो दुनिया की सबसे अधिक प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं में है। हमारे लगभग 50फीसदी कच्चे तेल और 90फीसदी रसोई गैस का आयात होर्मुज से होता है। सरल शब्दों में कहें तो जब पश्चिम एशिया में आग लगती है तो खामियाजा भारत को भुगतना पड़ता है। अभी तक भारतीय उपभोक्ताओं को इस संकट के सबसे बुरे प्रभाव से बचाकर रखा गया है। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी के बावजूद पेट्रोल और डीजल की कीमतें अधिकांशतः स्थिर बनी हुई हैं। न तो राशनिंग हुई है, न पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें लगी हैं। लेकिन इसकी भी एक कीमत चुकानी पड़ी है। सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती की। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने भारी अंडर-रिकवरी का बोझ उठाया। रिफाइनरियों को असामान्य रूप से ऊंची क्षमता पर काम करने के लिए मजबूर किया गया। एक तरह से राज्य ने उस झटके का एक हिस्सा स्वयं वहन किया, जिसे अन्यथा बाजार सीधे उपभोक्ताओं पर डाल देता। आलोचकों का कहना है कि यह कदम राजनीतिक कारणों के चलते उठाया गया, कि चुनाव समाप्त होने तक ईंधन की कीमतों को कृत्रिम रूप से दबाकर रखा गया, और अब उपभोक्ताओं को मूल्य-वृद्धि के लिए तैयार किया जा रहा है। लेकिन यह तर्क उस व्यापक हकीकत की अनदेखी करता है, जिसका सामना हर तेल-आयातक अर्थव्यवस्था कर रही है। दुनिया भर की सरकारों के सामने यही दुविधा थी कि झटके को तुरंत उपभोक्ताओं पर डाल दिया जाए और महंगाई को भड़का दिया जाए, या उसे अस्थायी रूप से स्वयं वहन किया जाए। अधिकांश सरकारों ने किसी न किसी रूप में हस्तक्षेप का रास्ता चुना। भारत ने भी यही किया।

क्योंकि ईंधन की कीमतें पेट्रोल पम्प पर लिखे अलग-थलग आंकड़े नहीं होतीं, उनका प्रभाव पूरी अर्थव्यवस्था में फैलता है- डीजल की ऊंची कीमतें परिवहन लागत बढ़ाती हैं, इससे खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ते हैं, मैन्युफैक्चरिंग महंगी हो जाती है, हवाई यात्रा की लागत बढ़ जाती है और महंगाई व्यापक रूप से फैलकर असर डालती है। यदि युद्ध कल समाप्त हो जाए, तब भी कीमतें अचानक सामान्य नहीं होंगी। टैंकरों को पहुंचने में हफ्तों लगते हैं, युद्धविराम की घोषणा के बाद भी बीमा दरें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, देशों को अपने घट चुके भंडार फिर से भरने में समय लगता है, व्यापारी सतर्क बने रहते हैं, और आपूर्ति श्रृंखलाएं धीरे-धीरे ही सामान्य हो पाती हैं। आप इसकी कीमत या तो सीधे ऊंचे ईंधन दामों के रूप में चुकाते हैं, या अप्रत्यक्ष रूप से करों, महंगाई, राजकोषीय दबाव और सरकार के अन्य क्षेत्रों में घटे हुए खर्च के माध्यम से। इससे बचने का कोई रास्ता नहीं है। (ये लेखिका के अपने विचार हैं,पलकी शर्मा)

क्या अब राजनीति में मुसलमान हाशिये पर हैं?

करीब सात साल पहले मैंने एक लेख लिखा था, जिसका शीर्षक था : 'क्या मुसलमान भाजपा के लिए कोई अहमियत रखते हैं?' हाल के राज्यों के चुनाव नतीजे- खासकर बंगाल और असम के- जहां मुस्लिम वोटरों की आबादी 30फीसदी से ज्यादा है- दिखाते हैं कि यह मुद्दा अब और बड़ा हो गया है। राजनीतिक तौर पर तो निष्कर्ष यही निकलता है कि मुसलमान आज भाजपा के लिए 2019 के मुकाबले काफी कम मायने रखते हैं। बंगाल और असम में भाजपा ने इस बार एक भी मुस्लिम उम्मीदवार उतारे बिना दो-तिहाई सीटें जीत लीं। दूसरी तरफ, असम में विपक्ष के जीते 24 उम्मीदवारों में से 22 मुस्लिम हैं। इनमें भी कांग्रेस के 19 जीते उम्मीदवारों में से 18 मुस्लिम हैं। बंगाल में 293 नए विधायकों में 40 मुस्लिम हैं, जिनमें से 34 टीएमसी के हैं। यानी टीएमसी के कुल 80 जीते उम्मीदवारों में से 45 फीसदी मुस्लिम हैं। इसका मतलब यह है कि जिन दो राज्यों में मुस्लिम आबादी सबसे ज्यादा है (जम्मू-कश्मीर अब राज्य नहीं है), वहां मुसलमान सत्ता से बाहर हो चुके हैं। भाजपा और सेकुलर पार्टियों के बीच हिंदू-मुस्लिम आधार पर बंटवारा साफ हो गया है। केरल में यूडीएफ के 102 नए विधायकों में 30 मुस्लिम और 29 ईसाई हैं। सेकुलर खेमे को इस बात से राहत हो सकती है कि कम से कम केरल में मुसलमान सत्ता में शामिल हैं, लेकिन यह राहत इस डर से कम हो जाती है कि भाजपा अब इसे अल्पसंख्यकों की सरकार बताकर हिंदू वोटरों को प्रभावित करने की कोशिश करेगी।राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो 18वीं लोकसभा में कुल 24 मुस्लिम सांसद हैं, यानी सिर्फ 4.42 फीसदी, जबकि देश में मुस्लिम वोटरों की आबादी 15 फीसदी से ज्यादा है। 16वीं लोकसभा में 22 और 17वीं लोकसभा में 27 मुस्लिम सांसद थे। जबकि 1980 में 49 और 1984 में 45 मुस्लिम सांसद चुने गए थे। तब उनका प्रतिशत क्रमशः 9 और 8.3 था। लोकसभा में मुस्लिम सांसदों की संख्या अकसर 5 फीसदी के आसपास रही है, लेकिन केंद्र में उन्हें हमेशा अच्छा प्रतिनिधित्व मिलता रहा। यहां तक कि वाजपेयी सरकार में सिकंदर बख्त मंत्री थे। राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा उपसभापति जैसे पदों से लेकर सेना और खुफिया एजेंसियों के प्रमुख पदों तक मुसलमान पहुंच चुके हैं, लेकिन आज वे किसी भी ऐसे पद पर नहीं हैं। आज कोई मुस्लिम मुख्यमंत्री नहीं है। जम्मू-कश्मीर अब केंद्र शासित प्रदेश है। सिर्फ एक मुस्लिम राज्यपाल हैं- बिहार में सैयद अता हसनैन। केंद्र सरकार के करीब 100 सचिवों में सिर्फ एक मुस्लिम हैं- कामरान रिजवी- जो हैवी इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के सचिव हैं। सुप्रीम कोर्ट के 32 जजों में भी सिर्फ एक मुस्लिम जज हैं- जस्टिस एहसानुद्दीन अमानुल्लाह। भारत के आखिरी मुस्लिम मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एएम अहमदी थे, जो 24 मार्च 1997 को रिटायर हुए थे। यह सब देखकर ऐसा लग सकता है कि भारतीय मुसलमानों को किनारे कर दिया गया है, लेकिन इस सोच पर फिर से विचार करने की जरूरत है। डॉक्टरी, कानून, शिक्षा, विज्ञान, सॉफ्टवेयर, बैंकिंग, मनोरंजन और मीडिया जैसे क्षेत्रों में मुसलमानों की संख्या बढ़ रही है। सिविल सेवा और सेना में भी उनका चयन बढ़ा है। इसलिए समस्या यह नहीं है कि मुसलमान हर क्षेत्र से बाहर हो रहे हैं। असली समस्या यह है कि राजनीति में उनका प्रतिनिधित्व लगातार कम हो रहा है। 1996 में वाजपेयी सरकार 13 दिन चली थी और 1999 में एक वोट से गिर गई थी। तब भाजपा नेता बलबीर पुंज इस बात से नाराज थे कि मुस्लिम वोटों पर निर्भर पार्टियां भाजपा को स्वीकार नहीं कर रही थीं। उनका मानना था कि मुसलमान तय कर रहे थे भारत पर कौन राज करेगा और कौन नहीं, लेकिन अब यह स्थिति बदल गई है। ये तथ्य तीन बड़े निष्कर्षों की ओर इशारा करते हैं। एक, भाजपा की विरोधी या सेकुलर पार्टियों को भाजपा अब मुस्लिम पार्टियों की तरह पेश करना चाहती है, जबकि उनके नेता हिंदू हैं। इससे हिंदू बनाम बाकी सब वाला माहौल बनता है, जो 80 फीसदी बनाम 20 फीसदी की राजनीति में बदल जाता है। यह भाजपा के लिए सबसे फायदेमंद स्थिति है। भाजपा चुनिंदा इलाकों में ईसाइयों के बीच भी काम करती है। गोवा और केरल में उसे इसका मौका मिला है। भाजपा के पास धैर्य भी है और समय भी। उत्तर-पूर्व में उसने ईसाई जनजातियों के साथ सुविधाजनक रिश्ता बना लिया है। वहां उसने कभी गोमांस पर प्रतिबंध की मांग नहीं की। अब भी कुछ सेकुलर पार्टियां मुस्लिम वोटों पर निर्भर हैं, लेकिन वे इतनी सतर्क हो गई हैं कि मुसलमानों के समर्थन में खुलकर बोलने से भी बचती हैं। जैसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार ने शाहीन बाग आंदोलन और उसके बाद हुए दंगों के दौरान चुप्पी बनाए रखी। इससे धर्मनिरपेक्षता बचाने की जिम्मेदारी मुसलमानों पर आ गई है। यह न सिर्फ मुश्किल और अव्यावहारिक है, बल्कि गलत भी है। आज मुसलमानों से कहा जाता है कि वे उसी उम्मीदवार को वोट दें, जो भाजपा को हरा सके। इसके पीछे यह उम्मीद होती है कि इससे उन्हें सुरक्षा मिलेगी। एक मजबूत धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के लिए यह बहुत कमजोर सोच है। सच्चर कमेटी की रिपोर्ट भी बताती है कि इससे मुसलमानों को फायदा नहीं हुआ। अब सेकुलर दलों को हिंदुओं के साथ इतना बड़ा गठबंधन बनाना होगा, जो जीत दिलाने वाला वोट प्रतिशत जुटा सके। पहले हिंदी पट्टी की पार्टियां जाति के आधार पर हिंदुओं को बांटकर जीत हासिल करती थीं, लेकिन भाजपा ने उस राजनीति को तोड़ दिया है। अगर मुसलमान अपनी अलग पार्टी बनाएंगे, तो उससे भाजपा को ही फायदा होगा और उसकी ताकत बढ़ेगी। जिन्ना के बाद भारत के मुसलमानों ने कभी किसी मुस्लिम नेता को अपना सबसे भरोसेमंद नेता नहीं माना। वे नेहरू-गांधी परिवार, यूपी-बिहार के यादव नेताओं, ममता बनर्जी और कई जगहों पर वाम दलों के हिंदू नेताओं पर भरोसा करते रहे हैं। लेकिन वे पहले कभी इस तरह सत्ता से बाहर नहीं हुए थे, जैसे आज हैं। इसे ठीक करने का एक ही तरीका है- ऐसा नेतृत्व उभरे, जो बड़ी संख्या में हिंदुओं को साथ लेकर नया गठबंधन बनाए। भारत के हिंदुओं ने ही संवैधानिक धर्मनिरपेक्षता को चुना था, इसलिए उसे बचाने की जिम्मेदारी भी उन्हीं की है। भाजपा को वही चुनौती दे पाएगा, जो हिंदुओं के साथ भरोसे का रिश्ता बना सके। पार्टियों में हिंदू-मुस्लिम बंटवारा अब और स्पष्ट है.भाजपा के लिए मुस्लिम वोटर्स अब जरूरी नहीं रह गए हैं। ऐसे में क्या कोई हिंदू-नेतृत्व वाला राजनीतिक गठबंधन ही उसे चुनावों में चुनौती दे सकता है? क्योंकि यह तो साफ है कि भाजपा और सेकुलर पार्टियों के बीच हिंदू-मुस्लिम बंटवारा अब और मजबूत हो गया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं, शेखर गुप्ता)

डीएम की अध्यक्षता में जिला उद्योग बंधु की बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में औद्योगिक क्षेत्रों में सड़को की मरम्मत जल निकासी, अतिक्रमण, साफ-सफाई, भारी वाहनों के आवागमन, सड़क चौड़ीकरण, जल निकासी व निवेश मित्र पोर्टल आदि के महत्वपूर्ण बिंदुओ पर समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण किया जाए, ताकि उद्यमियों को किसी प्रकार की कोई समस्या उत्पन्न न हो। बैठक में जिले में औद्योगिक निवेश, उद्यम स्थापना, लाइसेंस/अनापत्ति प्रमाणपत्र निर्गम, भूमि आवंटन, बुनियादी सुविधाओं के विकास तथा लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, औद्योगिक क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने और उद्योगों को सुगम वातावरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उद्योगों से संबंधित शिकायतों व मांगों को भी बैठक में सुना गया और उनके समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, उप जिलाधिकारी सलोन मिथिलेश त्रिपाठी, उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद स्वर्ण सिंह सहित सम्बान्धित अधिकारीगण व उद्यमी उपस्थित रहें।

जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ने स्प्रिंगर नेचर विशेषज्ञ के साथ इनोवेशन एवं रिसर्च एक्सचेंज सत्र का आयोजन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट से लैस किया। सत्र के दौरान साझा की गई प्रमुख जानकारियाँ-उच्च प्रभाव वाले, वैश्विक स्तर पर नोएडा एवं मथुरा 'यह सत्र हमारे संकाय समुदाय के लिए एक परिवर्तनकारी अनुभव रहा है। श्री

ग्रेटर नोएडा के अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) सेल ने को आर एंड डी सेल ने स्प्रिंगर नेचर, लंदन के श्री अनिंदा बोस के साथ एक ऐतिहासिक सत्र 'इनोवेशन एवं रिसर्च एक्सचेंज 'का आयोजन किया, जिसमें संकाय सदस्यों को वैश्विक शोध दृश्यता और प्रकाशन परिणामों को बेहतर बनाने की रणनीतियों से सशक्त किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के शैक्षणिक प्रमुखों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जो अनुसंधान उत्कृष्टता और वैश्विक शैक्षणिक सहयोग के प्रति उ्थ्घ्ऊश की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। एक वैश्विक प्रकाशन नेता द्वारा मुख्य भाषण-मुख्य भाषण विश्व के सर्वप्रमुख शैक्षणिक प्रकाशन संस्थानों में से एक, स्प्रिंगर नेचर, लंदन, यूके के श्री अनिंदा बोस द्वारा दिया गया। श्री बोस ने नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक प्रकाशन अवसरों में उभरते रुझानों पर अमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की – संकाय सदस्यों को उनके शोध उत्पादन और अंतर्राष्ट्रीय पहुँच बढ़ाने के लिए व्यावहारिक ज्ञान प्रासंगिक शोध करने की सर्वोत्तम विधियाँ उपयुक्त अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के चयन पर रणनीतिक मार्गदर्शन पांडुलिपि की गुणवत्ता और स्वीकृति दर में सुधार की तकनीकें शोध कार्यों की दृश्यता और उद्धरण प्रभाव बढ़ाने के तरीके प्रतिष्ठित स्प्रिंगर नेचर पत्रिकाओं में प्रकाशन के अवसर अंतःविषय सहयोग और अनुसंधान नैतिकता की महत्वपूर्ण भूमिका 'जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस में हम मानते हैं कि विश्वस्तरीय शोध, परिवर्तनकारी शिक्षा की आधारशिला है। स्प्रिंगर नेचर जैसे वैश्विक नेताओं के साथ सहयोग हमारी उस दृष्टि को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें हम अपने संकाय और संस्थान को अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक उत्कृष्टता में अग्रणी स्थान पर देखते हैं। हम अपने शोधकर्ताओं को सशक्त बनाने और संस्थान के वैश्विक प्रभाव को विस्तार देने वाली ऐसी पहलों में निरंतर निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' – श्री कार्तिकेय अग्रवाल, सीईओ, जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस, ग्रेटर बोस जैसे वैश्विक प्रकाशन विशेषज्ञ का मार्गदर्शन हमारे शोध उत्पादन की गुणवत्ता और वैश्विक पहुँच को सीधे तौर पर सुदृढ़ करेगा।'- आर एंड डी सेल इस सत्र में विभिन्न विभागों के शैक्षणिक प्रमुखों और संकाय सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी दर्ज की, जिन्होंने जीवंत चर्चाओं में भाग लिया और उ्थ्घ्ऊश के शोध पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्राप्त किया। प्रतिभागी शोध उत्पादकता में सुधार, प्रकाशन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और शैक्षणिक उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने की व्यावहारिक रणनीतियों से लैस होकर गए। प्रबंधन और आर एंड डी सेल ने श्री अनिंदा बोस को उनके समय और विशेषज्ञता के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उ्थ्घ्ऊश नवाचार, अनुसंधान उत्कृष्टता और वैश्विक शैक्षणिक सहयोग के एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए ऐसे उच्च प्रभाव वाले सत्रों का आयोजन करने हेतु समर्पित हैं।

जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता संपन्न, 300 बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

संयुक्त सचिव रजनी अग्रहरि की टीम ग्लेनहिल स्कूल रही उपविजेता, सनबीम स्कूल सोनभद्र में हुआ आयोजन; 13 गोल्ड, 20 सिल्वर, 5 ब्रॉन्ज मेडल जीते

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। कराटे एसोसिएशन एवं कराटे एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के महासचिव जसपाल सिंह के निर्देश में जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का आयोजन 9 मई को सनबीम स्कूल सोनभद्र में किया गया। प्रतियोगिता के ऑर्गेनाइजर सोनभद्र कराटे एसोसिएशन के सचिव अनूप सिंह पटेल और अध्यक्ष इंजीनियर रमेश सिंह रहे। इस प्रतियोगिता में पूरे जनपद से लगभग 300 बच्चों ने भाग लिया। सब जूनियर, कैडेट और जूनियर वर्ग में बच्चों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 गोल्ड, 20 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ सोनभद्र कराटे संघ के सेक्रेटरी अनूप सिंह पटेल एवं प्रेसिडेंट इंजीनियर रमेश पटेल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर सनबीम स्कूल के डायरेक्टर संदीप चौरसिया, रितेश चौरसिया, मुकेश राय, सोनभद्र जिला ओलंपिक संघ के सचिव साजिद

अली, शुभम जायसवाल, प्रधानाचार्य श्वेता यादव और मास्टर राकेश गुप्ता भी उपस्थित रहे। पूरे जनपद से 10 टीमों ने प्रतियोगिता में भाग लिया, जिसमें ग्लेनहिल स्कूल कहरी की टीम उपविजेता रही। टीम की कोच एवं सोनभद्र कराटे एसोसिएशन की संयुक्त सचिव रजनी अग्रहरि रहीं। सोनभद्र कराटे एसोसिएशन के सचिव अनूप सिंह पटेल ने बच्चों की सफलता एवं उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जिले में कराटे को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन लगातार कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर मौका दिलाने के लिए एसोसिएशन पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-

Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-

Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

सोनभद्र में बरातियों से भरी पिकअप पलटी, तीन की मौत और कई घायल,चालक के नशे में होने से वाहन अनियंत्रित हुआ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)रामगढ़ (सोनभद्र)। एक दर्जन से ऊपर बरातियों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर अधिकारी चतरा डा. सतीश पटेल ने बताया कि एंबुलेंस से कुल 20

रामगढ़- सिलथम पटना मार्ग के बीच रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत खड़िया मोड़ के पास (सिलथम गांव से लगभग डेढ़ सौ मीटर पहले) बरातियों से भरी पिकअप अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गई। इसमें मीरजापुर जनपद के मड़िहान थाना क्षेत्र के चंदरी बांध गोंड पथरा गांव निवासी राजन गोंद, विनोद गोंड व 18 वर्षीय अजय गोंड की मौत हो गई। जबकि करीब 10 लोग घायल हो गए। जानकारी पर डीएम चर्चित गौड़,एसडीएम सदर अश्वनी कुमार,तहसीलदार अमित सिंह , नायब तहसीलदार पुलिस विभाग के अधिकारी मेडिकल कॉलेज में पहुंच गए थे। सूचना पर पहुंची कुल छह एंबुलेंस से घायलों को पीएचसी चतरा ले जाया गया था, जिसमें गंभीर स्थिति देख लगभग दिया गया है। बताया जा रहा है कि घोरावल थाना क्षेत्र के कलवारी के पास किसी गांव से बरात एक पिकअप में सवार होकर नगवा ब्लॉक के मगरदह गांव जा रही थी। लगभग 10 बजे रात पिकअप अनियंत्रित होकर खड़िया मोड़ के पास सड़क से नीचे गड्ढे में पलट गई। बताया जा रहा है कि ड्राइवर नशे में था। दुर्घटना होते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। मड़िहान थाना क्षेत्र के चनरी बांध गांव से गोड़ बिरादरी की बारात रामपुर बरकोनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत मगरदह गांव जा रही थी। पिकअप में कुल 20 लोग सवार थे। दुर्घटना के बाद जिसमें 10 की हालत गंभीर देख जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। प्रभारी चिकित्सा बाराती आए थे, जिसमें 10 की हालत गंभीर थी जिसमें चार की हालत बेहद ही नाजुक बनी हुई थी और छह लोग जिनके हाथ पैर कमर आदि टूट गए थे।कुल 10 लोगों को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया है। वहीं 10 बराती जिन्हें हल्की-फुल्की चोट आई थी उनका उपचार कर उन्हें छुट्टी दे दी गई। हल्की-फुल्की चोट वाले आशीष 12 वर्ष पुत्र सुभाष निवासी खदहवा, गोलू 13 वर्ष पुत्र ओमप्रकाश, राम आशीष 11 वर्ष पुत्र सुलेंदर, श्याम सुंदर 16 वर्ष पुत्र राम प्रकाश, राम जनम 14 वर्ष पुत्र सुलेंदर, आकाश 15 वर्ष पुत्र ओमप्रकाश सभी निवासी चनरी बांध, थाना क्षेत्र मड़िहान समेत अन्य चार के उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है।

मैहर जिले का गौरव बढ़ाने वाले दक्ष्य सिंह ने रचा सफलता का नया इतिहास

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। झुकेही चौकी में पदस्थ प्रधान आरक्षक प्रकाश सिंह के सुपुत्र दक्ष्य सिंह ने सीबीएसई 12वीं परीक्षा में साइंस संकाय से शानदार 94फीसदी अंक प्राप्त कर सतना के प्रतिष्ठित लवडेल विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया है। दक्ष्य की इस शानदार उपलब्धि से परिवार, विद्यालय और पूरे मैहर जिले में हर्ष का माहौल है।दक्ष्य सिंह ने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर यह सफलता अर्जित कर यह साबित कर दिया कि कठिन परिश्रम से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं शुभचिंतकों ने दक्ष्य को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए उनकी इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त किया। दक्ष्य की इस सफलता से क्षेत्र के अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिलेगी। पूरे जिले में उन्हें बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

सीएम थलापति विजय ने तृषा के लिए बदले नियम,एक्ट्रेस की फिल्म करप्पू के मॉर्निंग शो रखने की स्पेशल परमिशन दी, 3 सालों से था प्रतिंबध

चेन्नई। तमिलनाडू के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद थलापति

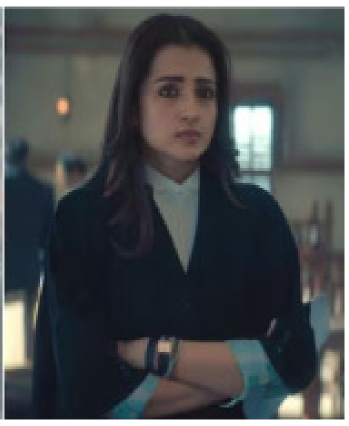

विजय ने रूमर्ड गर्लफ्रेंड तृषा के लिए फिल्म इंडस्ट्री के एक बड़े नियम में बदलाव किया है। विजय ने तृषा कृष्णन की फिल्म करप्पू के लिए सुबह 9 बजे की स्क्रीनिंग रखने की स्पेशल परमिशन दी है, जबकि अब तक साउथ में इस पर प्रतिबंध था।फिल्म करप्पू के प्रोडक्शन हाउस ड्रीम वॉरियर पिक्चर ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से इसकी जानकारी देते हुए थलापति विजय का शुक्रिया अदा किया है। पोस्ट में लिखा गया है, स्पेशल थैंक्स हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री थिरु जोसेफ विजय, करप्पू को सुबह 9 बजे की स्पेशल परमिशन देने के लिए। फिल्म करप्पू 14 मई को रिलीज हो रही है। पहले दिन से ही इसके सुबह 9 बजे के शो शुरू हो जाएंगे। फिल्म में तृषा कृष्ण और सूर्या लीड रोल में हैं। साल 2023 में फिल्म थुनिवू रिलीज हुई थी। इस फिल्म के सुबह साढ़े 4 बजे के मॉर्निंग शो में भगदड़ मच गई थी, जिसमें एक फैन का निधन हो गया था। इसके बाद से ही एहतियातन तमिलनाडू सरकार ने सुरक्षा कारणों से सुबह के शोज पर प्रतिबंध लगा दिया था। बता दें कि थलापति विजय का ये फैसला देना इसलिए भी सबका ध्यान खींच रहा है क्योंकि उनका नाम लंबे समय से तृषा कृष्णन से जुड़ रहा है। दोनों ने रिश्ते पर आधिकारिक तौर पर मुहर नहीं लगाई है, लेकिन तलाक की प्रोसेस के साथ लगातार तृषा के साथ स्पॉट होकर दोनों ने रिश्ते पर हिंट दे दिया है।

लाइव कॉन्सर्ट में फैन के स्टेज पर चढ़ने पर सोनू निगम बोले-पिटने वाले काम क्यों करते हो, अगली बार नहीं बचा पाऊंगा

कोल्हापुर। सिंगर सोनू निगम कोल्हापुर में एक लाइव कॉन्सर्ट के

दौरान अचानक एक फैन स्टेज पर चढ़ गया। वह स्टेज पर सिंगर के पैर छूने की कोशिश करने लगा। इस घटना से सोनू निगम काफी असहज नजर आए। उन्होंने अब सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो शेयर करते हुए दर्शकों को चेतावनी दी है। कोल्हापुर में बीच शो में सुरक्षा चूक सोनू निगम पिछले हफ्ते कोल्हापुर में परफॉर्म कर रहे थे। वे अपने एक हिट गाने में मगन थे, तभी सफेद टी-शर्ट पहने एक युवक अचानक सिक्योरिटी घेरा तोड़कर स्टेज पर पहुंच गया। सोनू ने जैसे ही उसे अपनी तरफ आते देखा, वे गाना छोड़कर पीछे हट गए। फैन ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लेने की कोशिश की। इस वजह से शो को कुछ देर के लिए रोकना पड़ा। गुस्सा करने के बजाय फैन को थमाया माइक जब सिक्योरिटी टीम उस युवक को स्टेज से हटाने के लिए आई, तो सोनू ने उसे डांटने के बजाय शांत तरीके से हैंडल किया। उन्होंने उस फैन को अपना माइक थमा दिया और उसे गाने का मौका दिया। फैन ने 'दबंग' फिल्म का गाना 'चोरी किया रे जिया' की कुछ लाइनें गाईं। गाना खत्म करने के बाद उसने कहा, 'कोल्हापुर लव्स यू।' हालांकि, सोनू निगम इस पूरी स्थिति से काफी परेशान और असहज दिखे। सोशल मीडिया पर दर्शकों को दी चेतावनी कंसर्ट के एक दिन बाद सोनू निगम ने इस घटना का वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'क्यों पिटने वाले काम करते हो ऑडियंस? इस बार तो बचा लिया, हर बार नहीं बचा पाऊंगा।' उन्होंने तंज कसते हुए वीडियो में फैन की हरकत पर 'वाह, शाबाश!' भी कहा। लाइव शो में बढ़ रही हैं ऐसी घटनाएं कलाकारों के साथ लाइव शो के दौरान बदतमीजी या सुरक्षा में चूक की घटनाएं पिछले कुछ महीनों में बढ़ी हैं। हाल ही में दिल्ली में 'धुरंधर' सिंगर जैस्मीन सैंडलस के साथ भी एक फैन ने स्टेज पर गलत व्यवहार किया था। इसके अलावा आतिफ असलम और सुनंदा शर्मा जैसे मशहूर सिंगर्स को भी कंसर्ट के दौरान ऐसी ही स्थितियों का सामना करना पड़ा है।

लौंडा नाच करने वाला पिता, गांव और बेटे का बदला! ओटीटी पे नई धमाकेदार सीरीज-सतरंगी

मुंबई। गांव की मिट्टी में बसी देसी कहानियों से लगाव है, तो ओटीटी पर आपके लिए एक नई और दिलचस्?प वेब सीरीज आ रही है, नाम है - सतरंगीः बदले का खेल। अंशुमान पुष्कर, कुमुद मिश्रा और महवश स्?टारर इस सीरीज की कहानी उत्तर प्रदेश के एक ऐसे गांव की कहानी है, जहां सामंती माहौल है। ऊंच-नीच, जात-पात, यहां की हवाओं में है। लेकिन कहानी के केंद्र में बबलू महतो का किरदार है, जो अपनी जाति से अधि?क अपने पिता के काम की वजह से सिर उठाकर नहीं जी पा रहा। उसके पिता लौंडा नाच करते हैं। अपमान और चुप्?पी जहां जिंदगी का हिस्?सा हो, वहां बबलू आवाज उठाता है। अन्याय के खि?लाफ, इलाके के बाहुबलियों के खि?लाफ और यहीं से शुरू होता है 'बदले का खेल' जो वक्?त के साथ खूनी और खतरनाक बनता जाता है। 'सतरंगीः बदले का खेल' के डायरेक्?टर जय बसंतू सिंह हैं। जबकि इसका निर्माण आरएनडी फिल्म एलएलपी ने किया है। यह एक ज़ी-5 ओरिजनल सीरीज है। 'सतरंगीः बदले का खेल' की कहानी-कहानी बबलू महतो (अंशुमान पुष्कर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक लौंडा नाच कलाकार के बेटे के रूप में अपमान और चुप्पी के माहौल में बड़ा हुआ है। जाति और ताकत से बंटी सामंती व्यवस्था में पले-बढ़े बबलू को जल्दी समझ आ जाता है कि सिर्फ ताकत से नहीं, बल्कि सत्ता के खेल को समझकर ही जिया जा सकता है। बबलू भी अपने पिता की तरह लौंडा नाच करता है। वह

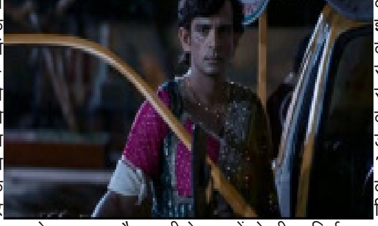

बबलू और लल्ली के रूप में दोहरी जिंदगी जी रहा है। दो बिल्कुल अलग दुनिया, लेकिन इस बीच वह अपना रास्ता बनाना शुरू करता है। बबलू की भि?ड़ंत के दो हिस्?से हैं। एक सत्ता की दुनिया, दूसरी रंगमंच की दुनिया। वह सिंह और पांडे जैसे दो प्रभावशाली परिवारों के बीच बेहद खतरनाक खेल की नींव रखता है। जो कहानी शुरुआत में बदले की भावना से शुरू होती है, वह धीरे-धीरे सम्मान, अधिकार, बराबरी और सत्ता पर कब्जे की बड़ी लड़ाई में बदल जाती है। 'सतरंगीः बदले का खेल' ओटीटी पर कब रिलीज होगी-'सतरंगीः बदले का खेल' वेब सीरीज ज़ी5 पर 22 मई 2026 को रिलीज होगी। लौंडा नाच की सांस्कृतिक कला और संघर्ष की दास्?तान- कहना होगा कि 2 मिनट का यह ट्रेलर पहली नजर में उत्?सकुता जगाने वाला है। 'सतरंगीः बदले का खेल' का ग्रामीण परिवेश, इसके बहुआयामी किरदार और सत्ता की कहानी के बीच लौंडा नाच की सांस्कृतिक कला को मेकर्स ने अच्?छे से पियोरा है। सामाजिक संघर्ष की यह कहानी ऐसे समाज की झलक दिखाती है, जहां की मिट्टी में असमानता सनी हुई है। 'यह बदले से ज्यादा सत्ता की कहानी'- डायरेक्?टर जय बसंतू सिंह कहते हैं, 'यह एक ऐसे आदमी की कहानी है जो समझता है कि किसी भी व्यवस्था को सिर्फ ताकत से नहीं तोड़ा जा सकता, बल्कि उन्हें तोड़ने के लिए यह सीखना पड़ता है कि उनके अंदर रहकर कैसे काम किया जाए। बबलू की दो पहचानें उसे ऐसी दुनिया तक पहुंच देती हैं, जहां वह सामान्य रूप से कभी नहीं पहुंच सकता था और यही उसके खेल की नींव बन जाती है। सीरीज बदले की कहानी तो है ही, लेकिन उससे ज्यादा यह सत्ता की कहानी है।' बबलू महतो का किरदार निभाने वाले अंशुमान पुष्कर कहते हैं, 'बबलू ऐसा इंसान है जिसे पूरी जिंदगी न देखा गया, न सुना गया और न ही सही तरीके से समझा गया, लेकिन उसकी इस चुप्पी के पीछे दुनिया को समझने की बहुत गहरी समझ छिपी है। उसकी बबलू और लल्ली की दोहरी पहचान उसकी सबसे बड़ी ताकत बन जाती है।'

कांस-2026 शुरू, आलिया भट्ट ओपनिंग सेरेमनी में पहुंचीं,उर्वशी रौतेला का लुक भी सामने आया, 40 साल पुरानी फिल्म दिखाई जाएगी

फ्रेंच रिवेरा। दुनियाभर का सबसे प्रतिष्ठित फिल्म फेस्टिवल और कल्चरल इवेंट कांस 12 मई से शुरू हो चुका है। फेस्टिवल 23 मई तक फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा में जारी रहेगा। लोरियल पेरिस की तरफ से कांस पहुंचीं आलिया भट्ट के अब तक दो लुक सामने आ चुके हैं। फेस्टिवल के आगाज के साथ जानिए, इस साल भारत के कौन से सेलेब्स रेड कार्पेट पर पहुंचेंगे, कौन सी फिल्में दिखाई जाएंगी, भारत की कांस में क्या अचीवमेंट्स हैं और क्या है कांस का भव्य इतिहास। साथ ही देखेंगे इंडियन सेलेब्स के कांस से कुछ चुनिंदा लुक्स- ये इंडियन सेलेब्स भी कांस में हो रहे हैं शामिल-आलिया भट्ट और उर्वशी रौतेला के अलावा इस साल भारत से ऐश्वर्या राय, मौनी रॉय, अदिति राव हैदरी और एहसास चन्ना कांस के रेड कार्पेट में पहुंचेंगी। एक्ट्रेस तारा सुतारिया भी कांस रेड कार्पेट पर डेब्यू करने वाली हैं। आलिया भट्ट, लॉरियल पेरिस की तरफ से कांस में आई हैं। तभी से कयास लग रहे हैं कि उन्होंने ऐश्वर्या राय को रिप्लेस किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील का दौरे पर पड़ा असर-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में जनता से कम-से-कम ट्रेवल करने और कम तेल-ईंधन इस्तेमाल करने की अपील की है। यही वजह रही कि महाराष्ट्र का सांस्कृतिक विभाग अब कांस फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा नहीं ले रहा है। महाराष्ट्र के सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने बताया कि पीएम मोदी की अपील के बाद विभाग का प्रतिनिधिमंडल अब कांस नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग में वाहनों का इस्तेमाल कम किया जाएगा और जरूरी बैठकों को वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया जाएगा। कांस 2026 में छाएगा भारत का रीजनल सिनेमा-कांस में इंडो-अमेरिकन फिल्म बॉम्बे स्टोरीज की स्क्रीनिंग भी कांस में होगी। ये फिल्म मंटों के उपन्यास पर बनी

है, जो 1930 के दशक की बॉम्बे में रहनेवालीं सेक्स वर्कर्स की कहानी दिखाती है। फिल्म को राहत शाह काजमी ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान एक्ट्रेस मौनी रॉय कांस में मौजूद रहेंगी।इसके क्लासिकल सेगमेंट में 40 साल पुरानी मलयाली फिल्म अम्मा अरियन की भी कांस में स्क्रीनिंग होगी। रीजनल सिनेमा की ये फिल्में भी कांस पहुंचीं-पंजाबी सिनेमा- पॉपुलर सिंगर और एक्टर एमी विर्क की फिल्म चारदीकला की स्क्रीनिंग कांस में होनी है। इसकी स्क्रीनिंग के लिए एमी विर्क कांस में डेब्यू करेंगे। उनके साथ को-स्टार रूपी गिल भी कांस में पहुंचेंगी। गुजराती सिनेमा- एक्ट्रेस मानसी पारेख इस साल प्रोड्यूसर पार्थिव गोहिल के साथ कांस में शामिल होने वाली हैं। गुजराती फिल्म लालोः कृष्णा सदा सहायते की भी कांस में स्क्रीनिंग होगी। मराठी सिनेमा-मराठी फिल्म इंडस्ट्री से एक्टर अशोक सराफ, निवेदिता सरफा, एक्ट्रेस प्राजक्ता माली और प्रोड्यूसर केदार जोशी कांस का हिस्सा बनेंगे। पायल कपाड़िया ज्यूरी बनीं, आशुतोष गोवारिकर ऑफिशियल डेलिगेट्स-लगान बना चुके आशुतोष गोवारिकल इस साल भारत के ऑफिशियल डेलिगेट बनकर कांस का हिस्सा बनेंगे। 2021 और 2024 में कांस के दो अवॉर्ड ग्रैंड प्री और गोल्डन आई अवॉर्ड जीत चुकीं पायल कपाड़िया इस साल ज्यूरी बनकर कांस में शामिल हो रही हैं। वो क्रिटिक्स वीक कैटेगरी की ज्यूरी रहेंगी। कांस की ज्यूरी बनने वाली पहली इंडियन एक्ट्रेस रहीं ऐश्वर्या राय-हर साल दुनियाभर के चुनिंदा लोगों को ज्यूरी में शामिल किया जाता है। मृणाल सेन पहले भारतीय थे, जिन्हें 1982 में ज्यूरी में शामिल किया गया था। इसके अलावा ज्यूरी बनने वाली पहली भारतीय महिला डायरेक्टर मीरा नायर थीं। ऐश्वर्या राय पहली इंडियन एक्ट्रेस हैं, जिन्हें कांस में ज्यूरी बनाया गया। हालांकि अब दीपिका पादुकोण, विद्या बालन और शर्मिला टैगोर भी इस लिस्ट

में शामिल हैं। सेरेमनी के आखिरी दिन मिलेगा पाम डि'ओर-पाम डिओर, कांस का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित अवॉर्ड है। यह पुरस्कार फेस्टिवल की मुख्य प्रतियोगिता में चुनी गई सर्वश्रेष्ठ फिल्म को दिया जाता है। इसे कांस का सर्वोच्च सम्मान माना जाता है। इस साल 12-23 मई तक चलने वाले इस फेस्टिवल में 23 मई को पाम डि'ओर अवॉर्ड दिया जाएगा। 80 साल पहले भारत को मिला पहला पाम डि'ओर, आज भी रिकॉर्ड कायम-कांस फिल्म फेस्टिवल में जाने वाली पहली भारतीय फिल्म नीचा नगर थी। चेतन आनंद के निर्देशन में बनी ये फिल्म संयोग से कभी भारत में रिलीज ही नहीं हुई। इसका प्रसारण सिर्फ दूरदर्शन में ही किया गया था। अमीर-गरीब की जिंदगी दर्शाने वाली इस फिल्म को कांस फिल्म फेस्टिवल का सर्वश्रेष्ठ पाम डि'ओर अवॉर्ड मिला था। नीचा नगर ये अवॉर्ड जीतने वाली भारत की इकलौती फिल्म है। इसके अलावा दो बीघा जमीन (1954), बूट पॉलिश, पाथेर पांचाली, सलाम बॉम्बे, लंच बॉक्स जैसी करीब 21 फिल्मों को कांस

फिल्म फेस्टिवल में अलग-अलग कैटेगरी में अवॉर्ड मिले हैं। जबकि अब तक भारत को कुल 38 नॉमिनेशन मिल चुके हैं। नॉमिनेशन हासिल करने वाली फिल्मों में राज कपूर की ब्लॉकबस्टर फिल्म आवारा भी शामिल है। एक नजर कांस के बेहतरीन इतिहास पर-हिटलर की तानाशाही के खिलाफ शुरू हुआ कांस-1938 में वेनिस फिल्म फेस्टिवल की शुरुआत की गई थी, लेकिन उस समय जर्मनी के तानाशाह एडॉल्फ हिटलर और इटली के तानाशाह मुसोलिनी अपने पसंदीदा लोगों को अवॉर्ड बांट देते थे। इनकी तानाशाही से परेशान होकर कई ज्यूरी मेंबर ने वेनिस फिल्म फेस्टिवल छोड़ दिया और एक फ्री फेस्टिवल शुरू करने का फैसला किया, जिसकी लोकेशन कांस, पेरिस तय हुई। फ्रेंच सरकार ने उसके दस्तावेजों पर साइन कर उसे ऑफिशियल कांस फिल्म फेस्टिवल घोषित कर दिया। पहला फिल्म फेस्टिवल 1-20 सितंबर 1939 को होना था। एक दिन पहले गाला नाइट रखी गई, लेकिन 1 सितंबर को फेस्टिवल शुरू हुआ तो हिटलर द्वारा पौलेंड पर हमला करने से सेरेमनी में हंगामा मच गया और सेरेमनी 10 दिनों के लिए टालनी पड़ी।माहौल सुधरने के बदले और बिगड़ गए जब फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम के बीच युद्ध का ऐलान हुआ। दूसरे विश्व युद्ध से कांस फिल्म फेस्टिवल 6 सालों तक टला था। वर्ल्ड वॉर 2 से 6 साल के इंतजार के बाद पहली सेरेमनी 20 सितंबर- 5 अक्टूबर 1946 को हुई, जिसमें 20 देशों ने हिस्सा लिया। 1947 में मैनेजमेंट खराब होने पर महज 16 देशों ने हिस्सा लिया। अगले साल 1948 में बजट की कमी के कारण सेरेमनी हुई ही नहीं। 1949 में फिर इवेंट मैनेजमेंट से लोग निराश हुए। 1950 में खर्च न उठा पाने पर फिर फिल्म फेस्टिवल हुआ ही नहीं। 1951 से लेकर अब तक सिर्फ कोरोना महामारी के चलते 2020 में सेरेमनी रद्द की गई थी। 18 कैरेट गोल्ड से बना अवॉर्ड, कीमत करीब 18 लाख रुपए-1955 में फेस्टिवल कमेटी ने पाम डिओर अवॉर्ड लॉन्च किया, जो इस सेरेमनी का हाईएस्ट अवॉर्ड है। 1964 में पाम डिओर को ग्रैंड प्रिक्स से रिप्लेस किया गया था, हालांकि 1975 से फिर पाम डिओर अवॉर्ड दिया जाने लगा। इसे स्विस ज्वेलरी फर्म चोपार्ड द्वारा तैयार किया गया है। इसे 18 कैरेट यलो गोल्ड और एमराल्ड कट डायमंड से तैयार किया गया है। इस एक अवॉर्ड की कीमत 27 हजार डॉलर यानी 18 लाख रुपए है। डिनर में खर्च किए जाते हैं 2.8 करोड़ रुपए-कांस फिल्म फेस्टिवल के समय कांस शहर का होटल बेरियर ले मैजेस्टिक मेहमानों के लिए ओपनिंग और क्लोजिंग इवेंट के लिए खाने की जिम्मेदारी उठाता है। मेहमानों के डिनर के लिए ही 3 लाख 47 हजार डॉलर यानी 2.8 करोड रुपए खर्च किए जाते हैं। 2000 कैकड़ों से बनता है स्पेशल डिनर-वेबसाइट बिजनेस इनसाइडर की एक रिपोर्ट के मुताबिक होटल डिनर के लिए 770 पाउंड यानी 340 किलोग्राम फोए ग्रास नाम की डिश तैयार करता है, जो बतख के लिवर से बनने वाली एक स्पेशल फ्रेंच डिश है। इसके अलावा यहां 110 पाउंड्स यानी 49 किलो केवियर बनता है, जो दुनिया की सबसे महंगी डिशेज में से एक है। इस डिश में करीब 1,32,000 डॉलर यानी 1 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। इस डिनर के लिए हर साल 2000 किलो कैंकड़े (लॉबस्टर) इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें 39 लाख रुपए लगते हैं। 18500 बोतल वाइन-शैंपेन पी जाते हैं गेस्ट्स-सेलेब्स के लिए रखे गए डिनर में वाइन और शैंपेन भी सर्व होती है। पूरे कांस फेस्टिवल के दौरान करीब 18,500 बोतल वाइन और शैंपेन परोसी जाती है। वेबसाइट द हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार सेरेमनी में ज्यादातर 1990 शैटो पेट्रस वाइन सर्व की जाती है। जिसकी एक बोतल की कीमत 9390 डॉलर है, ये दुनिया की छठी सबसे महंगी वाइन है। हॉलीवुड रिपोर्टर के अनुसार, डिनर के अलावा दूसरे मौकों पर लगने वाली ड्रिंक्स, खाने, लेजर लाइट, फोटोग्राफ और म्यूजिक में भी 1,50,000 डॉलर

यानी 1 करोड़ 23 लाख खर्च किए जाते हैं। कांस शहर सिर्फ याच को रेंट पर देकर कमाता है 3 हजार करोड़ रुपए-कांस शहर याच पार्टी के लिए भी फेमस है। फेस्टिवल में पहुंचने वाले दुनियाभर के कई सेलेब्स फेस्टिवल के दौरान याच पार्टी का भी हिस्सा बनते हैं। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार याच पार्टी से सालाना कांस शहर की 3 हजार करोड़ रुपए कमाई होती है, जो सेलेब्स खुद खर्च करते हैं। हील्स की जगह फ्लैट चप्पल पहनी तो रेड कार्पेट पर एंट्री बैन-रेड कार्पेट के नियमों के अनुसार, सेरेमनी में पहुंचने वाली फीमेल सेलिब्रिटीज का हील्स पहनना जरूरी है। ये नियम 2015 में बनाया गया है। अगर कोई सेलेब्स बिना हील्स के यहां पहुंचता है तो उसे सेरेमनी में नहीं आने दिया जाता। 2015 में ऐसा ही एक मामला विवादों से घिर गया, जहां कुछ फीमेल सेलेब्स को हील्स न पहनने पर अंदर नहीं जाने दिया। एक्ट्रेस क्रिस्टेन स्टीवर्ट और जूलिया रॉबट्र्स भी इस नियम का विरोध करते हुए रेड कार्पेट पर अपनी हील्स रिमूव कर चुकी हैं। हैंडबैग और सेल्फी पर पाबंदी-रेड कार्पेट के लिए कोई निर्धारित ड्रेस कोड नहीं है, हालांकि यहां आने वाले हर सेलेब को ग्लैमरस लगना अनिवार्य है। हैरानी की बात ये है कि रेड कार्पेट पर हैंडबैग ले जाना सख्त मना है। यहां आने वाले सेलेब्स क्लच या हाथ में दूसरा कोई भी बैग नहीं पकड़ सकते। रेड कार्पेट की रूल बुक पर लिखा हुआ है कि कृपया अपने हैंडबैग अपने होटल में ही छोड़कर आएं। रेड कार्पेट पर फोटो या सेल्फी लेने की भी सख्त मनाही है, कोई भी सेलेब रेड कार्पेट पर सिर्फ और सिर्फ पैपराजी से ही तस्वीर क्लिक करवा सकता है। 2 किलोमीटर की रेडकार्पेट को दिन में 3 बार बदला जाता है-सबसे ज्यादा कांस फिल्म फेस्टिवल में रेड कार्पेट पर आए सेलेब्स चर्चा में रहते हैं।1989 में पहली बार रेड कार्पेट रखी गई थी, जिस पर चलकर तमाम हस्तियां फेस्टिवल का हिस्सा बनी थीं। महंगी ड्रेस और ज्वेलरी पहनकर सेलेब्स इस रेड कार्पेट पर दिन भर वॉक करते हैं, जिसके तीन तरफ पैपराजी और मीडिया की भीड़ रहती है। ये रेड कार्पेट 2 किलोमीटर लंबा होता है, साफ दिखाने के लिए इसे दिन में 3 बार बदला जाता है। पैपराजी की 5-पीस सूट के बिना एंट्री बैन-रेड कार्पेट पर आने वाले सेलेब्स को क्लिक करने पहुंचे पैपराजी के लिए भी कांस फिल्म फेस्टिवल में ड्रेस कोड है। पैपराजी सिर्फ ब्लैक टक्सीडो सूट, टाई/बो और फॉर्मल शूज पहनकर ही आ सकते हैं। अगर ड्रेस कोड में लापरवाही की जाती है, तो उन्हें वहां फोटो क्लिक करने से रोक दिया जाता है। हालांकि, फीमेल पैपराजी को इस ड्रेस कोड में छूट मिली हुई है। कांस फिल्म फेस्टिवल से जुड़ी कुछ जरूरी बातें- जूरी मेंबर को फिल्म सिलेक्शन में दिक्कतें हो रही थीं और ओरिजिनल फिल्मों और नई फिल्में बनाने वाले फिल्ममेकर्स को ज्यादा तवज्जो मिल रही थी। इसे देखते हुए 1954 में स्पेशल जूरी अवॉर्ड कैटेगरी की शुरुआत की गई थी। 1955 में पाम डी-ओर अवॉर्ड (जीतने वालों को दिया जाने वाला अवॉर्ड) का परिचय करवाया गया था। इससे पहले विजेताओं को ग्रांड प्रिक्स से सम्मानित किया जाता था। डोलोरेस डी रियो 1957 में इस सेरेमनी की जूरी मेंबर बनने वाली पहली महिला थीं।1989 में पहली बार रेड कारपेट रखी गई थी, जिस पर चलकर तमाम हस्तियां फेस्टिवल का हिस्सा बनी थीं। 1951 से लेकर अब तक सिर्फ 2020 में कोरोना महामारी के चलते ही कांस फिल्म फेस्टिवल को कैंसिल किया गया था। 2015 में फ्लैट तलवे की चप्पल पहनने वाले सेलेब्स पर आपत्ति जताई गई थी जिसके खिलाफ कई नामी हस्तियों ने आवाज उठाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। दुनियाभर में बढ़ते मीटू मामलों को देखते हुए कांस फिल्म फेस्टिवल ने 2018 में फेस्टिवल के दौरान एक टेलिफोन हॉटलाइन की शुरुआत की। मीटू से जुड़ी कोई शिकायत होने पर सेलेब्स तुरंत इस हॉटलाइन की मदद ले सकते हैं।जनरल डेलीगेट थिएरी फ्रैमॉक्स ने साल 2015 में कांस फिल्म फेस्टिवल के दौरान सेल्फी लेने पर प्रतिबंध लगा दिया। 1950 में चेतन आनंद इंटरनेशनल ज्यूरी में शामिल होने वाले पहले भारतीय सदस्य बने थे। 2003 में ऐश्वर्या राय ज्यूरी में शामिल होने वाली पहली भारतीय महिला बनीं थीं। 2022 में पहली बार भारत को कांस फिल्म फेस्टिवल की तरफ कंट्री ऑफ ऑनर का न्योता मिला।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।